हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार,12 मई 2024

09 पोल डैशबोर्ड वेब पोर्टल पर आम नागरिक भी ले सकेंगे पल-पल की अपडेट

10 आंधी में ब्रह्मचारी रोड पर गिरे पेड़ वाहन चालक दिनभर रहे परेशान

नारनौल-जयपुर के बीच ट्रेनों की कमी, 2008 में बदलते समय बंद हुई ट्रेन अभी तक नहीं हो पाई चालू

भिवानी से जयपुर के लिए चलने वाली ट्रेनों का नारनौल में यात्रियों को नहीं मिल रहा पूरा लाभ, एक सुबह सवा आठ तो दूसरी रात 7:20 पर आती है नारनौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दिल्ली-गुरुग्राम की भांति ही नारनौल क्षेत्र के लोगों के लिए जयपुर एक महत्वपूर्ण शहर है। खासकर बीमार लोगों के उपचार के लिए जयपुर को यहां के लोग काफी मुफीद मानते हैं, लेकिन कमाल की बात है कि पिछले करीब डेढ़ दशक से नारनौल क्षेत्र के लोग जयपुर की ओर आवागमन करने वाली ट्रेनों के लिए जूझ रहे हैं। वर्तमान में नारनौल से जयपुर के लिए भिवानी से दो ट्रेन चलाई जा रही हैं, लेकिन इनमें से केवल एक ही ट्रेन डहर का बालाजी रेगुलर ट्रेन है, जो दूसरी ट्रेन है वह महज फेस्टिवल स्पेशल के नाम से चलाई जा रही है, जो 30 जून के बाद बंद कर दी जाएगी। डहर का बालाजी ट्रेन लोगों को जयपुर शहर से दूर उतारती है। इससे लोगों में बड़ी निराशा बनी हुई है। कमाल की बात है कि पहले केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार सत्ता में थी और अब एक दशक से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार सत्तारूढ़ है, लेकिन सैनिक बाहुल्य इस नारनौल क्षेत्र के लोगों को ट्रेनों के मामले में कोई फायदा नहीं हुआ और बड़े अफसोस की बात है कि यहां के लोग अब भी जयपुर की सीधी ट्रेनों को तरसते हैं।

रेलवे चार्ट पर गौर करें तो नारनौल से जयपुर के लिए फिलहाल दो ट्रेनें चलती हैं। ये दोनों ही ट्रेन भिवानी से जयपुर के लिए चलाई जा रही हैं, जिनमें से एक ही ट्रेन जो डहर का बालाजी (जयपुर) को जाती है, केवल वही ट्रेन रेगुलर है। दूसरी ट्रेन को भिवानी से जयपुर चलाई जा रही है, मगर वह महज स्पेशल फेस्टिवल है, जो फिलहाल 30 जून तक के लिए ही चलाई जा रही है। मई माह के 11 दिन बीत चुके हैं, लेकिन इसका बढ़ा हुआ शेड्यूल अब तक जारी नहीं हुआ है, जिस कारण कहा नहीं जा सकता कि यह ट्रेन आगे चलेगी या नहीं। कमाल की बात है कि भिवानी से चलने वाली इन दोनों ट्रेनों में से एक भी ट्रेन यहां के लोगों को पूर्णतया सूटेबल नहीं है। एक ट्रेन भिवानी से सुबह पांच बजे चलती है, जिसका नारनौल आने का समय सवा आठ बजे का है। यह ट्रेन दोपहर 12:20 बजे डहर का बालाजी (जयपुर) पहुंचती है। डहर का बालाजी स्टेशन जयपुर शहर से काफी बाहर है। जो यात्री इस ट्रेन से जयपुर जाना चाहते हैं, उन्हें डहर का बालाजी जाना पड़ रहा है और डहर का बालाजी से उन्हें जयपुर शहर के लिए ऑटो या अन्य गाड़ी पकड़नी पड़ती है। दूसरी ट्रेन भिवानी से जयपुर के लिए चलाई जा रही है, लेकिन यह ट्रेन भिवानी से शाम चार बजे चलती है और शाम को 7:20 बजे नारनौल आती है। फिर जयपुर चली जाती है। यही ट्रेन जयपुर से सुबह 7 बजे चलती है और नारनौल 10:20 बजे पहुंचती है। ऐसे में यह ट्रेन जयपुर आवागमन में बहुत ज्यादा उपयोगी सिद्ध नहीं हो पा रही है। कुल मिलाकर देखा जाए तो नारनौल क्षेत्र के लोग नारनौल-जयपुर के लिए सहूलियत वाली ट्रेनों के लिए तरस रहे हैं।

यह कहते हैं स्टेशन अधीक्षक

स्टेशन अधीक्षक सुरेश शर्मा ने बताया कि रेलवे ने फिलहाल दो ट्रेन सीधे जयपुर के लिए चलाई हुई हैं। यात्रियों की डिमांड को देखते हुए हमने और ट्रेनों की मांग की हुई है। जब भी नई ट्रेन चलेगी, लोगों को सूचित कर दिया जाएगा।

यह कहते हैं लोग

तालाब बहादुर सिंह स्थित बैंड मास्टर विनोद सोलंकी ने बताया कि नारनौल से जयपुर के लिए कोई ट्रेन उपयोगी नहीं है। डहर का बालाजी ट्रेन जयपुर से बाहर उतारती है, जहां से ऑटो वाले 150 रुपये प्रति सवारी मांगते हैं। ऐसे में बीमार व्यक्ति को जयपुर ले जाना बड़ा तकलीफदेह सिद्ध हो रहा है। शाम को भी ट्रेन जल्दी चल देती है और छूट जाती है। फिर या तो रात को वहीं रूको या फिर बहरोड़ रूट की बसों में धक्के खाओ। इसी प्रकार समाजसेवी पवन शुक्ला, मनोज कुमार, पुनीत शास्त्री, मोहन शास्त्री, मोहन भारद्वाज, रामौतार एवं उमाकांत छक्कड़ आदि ने बताया कि नारनौल से जयपुर की सहूलियत अनुसार कोई ट्रेन नहीं है। इससे लोगों को बड़ी परेशानी हो रही है। देश की सीमाओं पर सबसे ज्यादा यहां के नौजवान ड्यूटी दे रहे हैं और शहादत देने में भी पीछे नहीं हैं, लेकिन यह इलाका ट्रेनों के मामले में बेहद पिछड़ा हुआ है। जबकि यहां की गरीब जनता जयपुर के अस्पतालों में ईलाज कराने के लिए बहुतायत में जाती है। मरीजों के जयपुर आवागमन को देखते हुए रोडवेज ने सुबह छह बजे के आसपास कई बसें जयपुर के लिए चला रखी हैं, लेकिन उनमें किराया बहुत ज्यादा लगता है। यदि सरकार सस्ते किराए की ट्रेन सवेरे पांच-छह बजे के बीच नारनौल से और जयपुर से शाम साढ़े छह-सात बजे चला दे तो बहुत बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि यहां के जनप्रतिनिधि भी इस समस्या से वाकिफ रहे हैं, लेकिन कोई कुछ नहीं कर रहा, जबकि आमजनता परेशान है। जब मीटरगेज लाइनें थी, तब रेवाड़ी-नारनौल-रींगस-जयपुर के लिए करीब आधा दर्जन ट्रेनें दिनभर खूब आती-जाती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है, जबकि यात्रियों की संख्या को देखते हुए इनकी सख्त आवश्यकता है।

मीटरगेज उखाड़ी, तब बंद हुई थी ट्रेन

जब देश में संप्रग-प्रथम सरकार थी, तब देश के रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव थे। उस समय मीटरगेज लाइनों को ब्रॉडगेज में तब्दील करने का काम शुरू किया गया था। उसी दौर में वर्ष 2008 में रेवाड़ी-नारनौल-रींगस-जयपुर ट्रेक को मीटरगेज से ब्रॉडगेज में तब्दील करने का काम शुरू किया गया था, लेकिन कमाल की बात यह है कि यह काम यहां इतनी धीमी गति से चला कि पूरा एक दशक बीत गया। सरकार भी बदली, लेकिन रेल पटरी निर्माण एवं रेल संचालन के हालात नहीं बदले। जब वर्ष 2019-20 में कोरोना महामारी आई, तब तक यहां सवारी गाड़ियों की स्थिति इक्का-दुक्का ट्रेन की ही थी। वह भी महज दिल्ली की तरफ ज्यादा आवागमन करती थी, लेकिन जयपुर के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं थी। अब बाद में भिवानी से डहर का बालाजी एवं भिवानी से जयपुर जंक्शन के लिए दो ट्रेनें तो चलाई, लेकिन इनमें से एक भी ट्रेन काम की नहीं है। अब भी जरूरत अनुसार समय पर कोई ट्रेन सीधे जयपुर को नहीं आती-जाती है और लोग परेशान हैं।

खबर संक्षेप

सीएल स्कूल का छात्र निशांत एनडीए में पास

नारनौल। हाल ही में यूपीएससी की ओर से एनडीए का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें सीएल पब्लिक स्कूल के होनहार छात्र निशांत पुत्र सतीश ने प्रथम प्रयास में ही एनडीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र व संस्था का नाम रोशन किया है। इस सफलता पर स्कूल में काफी उत्साह का माहौल है। छात्र की इस उपलब्धि पर संस्था के प्रबंधक निदेशक डा. अमित गुप्ता ने उनको बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल प्राचार्य रविंद्र सिंह व समस्त स्टॉफ ने भी बच्चे को बधाई दी।

निशांत।

युवक को हैकर्स ने लगाई 41 हजार की चपत

कनीना। ऑनलाइन ब्ल्यूटूथ बुक करने की एवज में अज्ञात हैकर्स ने एक युवक को 41 हजार रुपये की चपत लगा दी। इस बारे में बेवल वासी रविंद्र कुमार ने दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि उसने दो हजार रुपये मूल्य का ऑनलाइन ब्ल्यूटूथ खरीदने के लिए क्लिक किया, तो पहली बार उसके खाते से 20416 रुपये व दूसरी बार क्लिक करने पर 20675 रुपये सहित कुल 41092 रुपये कट गए। कनीना सदर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में हैकर्स के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

स्कूल बस हादसा: महापंचायत ने पीड़ितों के लिए मांगा न्याय, प्रशासन को अल्टीमेटम

सरकार को दिया 15 मई तक का समय 20 को एडीएम आफिस घेरने की चेतावनी

उन्हाणी के पास 11 अप्रैल को हुआ था हादसा, महापंचायत में 40 गांवों के लोग हुए शामिल, महापंचायत में प्रमुख लोगों की कमेटी गठित

कनीना। महापंचायत को संबोधित करते पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन रमेश महलावत व महापंचायत में उपस्थित गणमान्य लोग। फोटो: हरिभूमि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना में 11 अप्रैल को हुए स्कूल बस सड़क हादसे के एक माह बाद शनिवार मई को गांव उन्हानी के शिव मंदिर प्रांगण में न्याय महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग मुख्य मुद्दा रहा। इस अवसर पर दो मिनट का मौन धारण कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में कनीना खंड के गांव के सरपंच, पूर्व सरपंच, प्रतिनिधि, जिला पार्षद, पंचायत समिति सदस्य सहित जिला के विभिन्न गांवों व कस्बा से आए लोगों ने भाग लिया। बैठक में अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखें।

कनीना पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन रमेश महलावत, सरपंच संगठन कनीना के प्रधान हरिओम सरपंच पोता, पूर्व जिला पार्षद अजय कुमार, अभिमन्यु राव, संदीप यादव एडवोकेट, सतनारायण यादव, समाजसेवी बलवान फौजी, छितरौली के सरपंच प्रतिनिधि बलवान सिंह, समाजसेवी लखनलाल जांगड़ा, सुरेश अटेली, वीरेंद्र दीक्षित सरपंच गुढ़ा, राधेश्याम शर्मा झाड़ली, सुरेश कुमार सरपंच प्रतिनिधि झाड़ली, पंकज हिंदू सरपंच खेड़ी, विजय नौताना, अमर सिंह आदि अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखें और गहरा शोक जताते हुए बच्चों को शहीद का दर्जा देने की मांग की।

वक्ताओं ने पीड़ित परिवारों की तन-मन-धन से सहायता व सरकार की ओर से आर्थिक सहायता नहीं दिए जाने तथा पीड़ितों को उचित न्याय नहीं दिए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की। साथ ही कहा कि जरूरत पड़ने पर दोबारा से महापंचायत बुलाई जाएगी। इसके उपरांत सभी सम्मानित सदस्यों ने एक टीम के साथ मांग पत्र तैयार किया। महापंचायत में बताया कि अगर सरकार व प्रशासन ने मांगें पूरी नहीं की तो महापंचायत सख्त निर्णय लेने को मजबूर होगी। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी अतरलाल ने की। मंच संचालन मास्टर राजेश शर्मा झाड़ली ने किया।

एमडी को करें गिरफ्तार

बस सड़क हादसे में छह छात्रों की मौत हो गई थी और अनेक छात्र घायल हुए थे। गुस्साए ग्रामीणों ने कहा कि घटना को एक माह बीत गया है, लेकिन अभी तक स्कूल का डायरेक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया है। पीड़ित परिवारों को सरकार की ओर से कोई आर्थिक मदद नहीं मिली है। पुलिस ने इस मामले में ड्राइवर, प्रिंसिपल, सचिव, चेयरमैन सहित कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

17 मई तक का अल्टीमेटम

महापंचायत में छह मांगों को पूरा करने के लिए सरकार व प्रशासन को 17 मई तक का अल्टीमेटम दिया गया। जिसमें इस हादसे की जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज से करवाई जाए, एफआईआर के अनुसार स्कूल मैनेजिंग डायरेक्टर सुभाष को गिरफ्तार किया जाए, मृतक छात्रों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये व घायल छात्रों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। इसके अलावा जो बच्चे स्थाई रूप से दिव्यांग की श्रेणी में आए हैं, उनका आजीवन मेडिकल खर्च दिया जाए, स्कूल के चेयरमैन राजेंद्र सिंह को ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य से हटाया जाए, स्कूल की मान्यता को रद्द किया जाए। वक्ताओं ने कहा कि सरकार व प्रशासन ने 17 मई तक उपरोक्त मांगों पूरा नहीं किया तो 20 मई को एसडीएम कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

डायरेक्टर अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्कूल का डायरेक्टर सुभाष अपनी अग्रिम जमानत के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में आवेदन किया हुआ है। जिस पर 17 को सुनवाई होगी। इसमें पुलिस से रिप्लाई मांगी गई है।

दुर्घटना स्थल के आस-पास लगाई गई लाइटें

स्कूल बस सड़क हादसे के बाद हादसे की जगह से सड़क मार्ग के दोनों ओर रेडियम लाइटें, सूचना पट्ट व रिफ्लेक्टर लगवा दिए हैं, तो रात के समय यह लाल रोशनी से घुमावदार मोड़ को इंगित कर रही हैं। नागरिकों ने कहा कि यह कार्य दुर्घटना से पहले भी किया जा सकता था।

जज कॉलोनी के व्यक्ति से 12 लाख की ठगी

नारनौल। महेंद्रगढ़ की जज कॉलोनी में रह रहे एक व्यक्ति से ठगी का मामला सामने आया है। कृष्ण दत्त दहिया ने बताया कि उसका स्टेट बैंक में खाता है। 25 अप्रैल को उसके मोबाइल पर एक वाट्सअप कॉल की तथा सामने से खुद को कनाड़ा में रह रहा उसका भतीजा पंकज बताया। जिसकी आवाज में हुबहू ऐसी जो कनाडा में रहता है। मुझसे कहा कि उसे कनाडा में जमा पूंजी पर टैक्स देना पड़ रहा है। वह उन्हें अपना खाता नंबर दे दे, जिससे वह उनके खाते में 12 लाख रुपये ट्रांसफर करवा देगा। मैने भतीजा समझ उसे अपने खाते की डिटेल दे दी। कुछ देर बाद एक और वॉट्सअप कॉल आई, जिसने बताया कि वह मुंबई से एजेंट बोल रहा है। आपके खाते में 12 लाख रुपये जमा हुए हैं, वह उन्हें 24 घंटे में मिल जाएंगे। इसके बाद पंकज बने व्यक्ति की पुनः कॉल आई और कहा कि 12 लाख रुपये की रसीद उन्हें वॉट्सअप कर दी है, जिसकी फोटो वॉट्सअप पर देखी। करीब एक घंटे बाद उसके मोबाइल पर पंकज बने व्यक्ति की वॉट्सअप कॉल आई और कहा कि उसके दोस्त की माताजी अचानक बीमार हो गई है, जिसका ऑपरेशन होना है, उसे पैसे की जरूरत है। मैंने आज ही अपके पास 12 लाख रुपये डाल दिए हैं, उनमें से 3.5 लाख रुपये उसके बैंक खाता में जमा करवा दो। उसके दोस्त को रुपयों की सख्त आवश्यकता है। जिस पर साढ़े तीन लाख रुपये ट्रांसफर करवा दिए। यह रुपये ट्रांसफर करवाने के बाद वॉट्सअप देखा तो उस पर से 12 लाख रुपये की रसीद डिलीट कर दी। शक होने पर 1930 पर कॉल करके शिकायत भी दर्ज करवाई, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ।

- कनाड़ा में रहे रहे भतीजी की नकल कर साइबर ठगों ने लगाया चूना

छेड़छाड़ का विरोध किया तो किया कुल्हाड़ी से हमला

नारनौल। नांगल चौधरी खंड के गांव रायमलिकपुर में एक व्यक्ति ने पशुओं के घेर (नोहरा) में गई महिला से छेड़छाड़ की तथा विरोध करने पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रायमलिकपुर निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी सुबह पशुओं के घेर में गई हुई थी। तभी गांव के ही जयबीर ने उसका हाथ पकड़ लिया तथा उससे बदतमीजी एवं छेड़छाड़ करने लगा। जब उसकी पत्नी ने विरोध करते हुए शोर मचाया तो आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। अगले दिन दोपहर करीब तीन बजे को जब वह घर की तरफ आया तो उसे अपनी पत्नी की चीख सुनी और देखा कि जयबीर ने उसकी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इससे वह जमीन पर गिर गई तथा जयबीर उसे कुल्हाड़ी उसके सिर में मारने लगा। जब बीच-बचाव किया तो उसने उसकी पत्नी के पैर में कुल्हाड़ी मारी, जो उसके पंजे पर लगी और वह घायल हो गई। तब शोर सुनकर आसपास के लोग इक्ट्ठा हो गए। तब वह उसकी पत्नी के गले की सोने की चेन तोड़कर भाग गया। उसके पास कुल्हाड़ी थी, जिसकी वजह से किसी ने उसको नहीं पकड़ा। जयबीर एक अपराधी किस्म का व्यक्ति है तथा परिवार को उससे जान का खतरा है। वह हत्या के एक मामले में जमानत पर है। उसने इससे पहले 26 सितंबर 2023 को भी घर में घुसकर हमला किया था। तब भी पुलिस ने उसको पकड़ा था और वह मामला अभी पेंडिंग है। आरोपी से अपनी पत्नी की सोने की चेन दिलाने व कार्रवाई की मांग की।

- गांव के ही युवक पर लगाया आरोप, पुलिस ने दर्ज किया केस

अग्रवाल वैश्य समाज ने आईपीएस दीपांशु गुप्ता को किया सम्मानित

नारनौल। अग्रवाल वैश्य समाज ने प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर मोहल्ला चांदुवाड़ा के दीपांशु गुप्ता को आईपीएस बनने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दीपांशु गुप्ता को स्मृति चिह्न व पटका पहनाकर सम्मानित सम्मान किया। समारोह में अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला ने कहा कि दीपांशु गुप्ता अपनी कड़ी मेहनत व लगन से आईपीएस पद पर पहुंचे हैं। यह अग्रवाल वैश्य समाज व जिला महेंद्रगढ़ के लिए गर्व की बात है तथा इस तरह की प्रतिभा से युवाओं को प्रेरणा मिलती है। दीपांशु की मां उषा गुप्ता, दादी सरोजवती व चाचा मुकेश गुप्ता भी पहुंचे। इस मौके पर रवि गर्ग, जगमोहन गर्ग, राजेश अग्रवाल, ष चिराग गर्ग,खुशबू अग्रवाल, सीताराम सर्राफ, तुलसी गोयल, महेंद्र बंसल, संजय गोयल, मोहित जिंदल, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, रविंद्र बंसल मौजूद रहे।

इसरो में चयनित छात्र अहमदाबाद रवाना, आज करेंगे रिपोर्ट

कनीना। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में चयनित एसडी वरिष्ठ माध्यमकि विद्यालय ककराला के विद्यार्थी शनिवार को अहमदाबाद के लिए रवाना हुए। चेयरमैन जगदेव यादव व प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने बताया कि स्कूल के पांच विद्यार्थी माही राव मोतला, अदिति आर्य कनीना, गरिमा यादव कनीना, देवांशी यादव करीरा, जसवीर बेवल का इसरो में चयन हुआ था व रविवार को प्रातः सात बजे इसरो में उपस्थित होंगे। कडे परिश्रम व नियमित प्रयास से सफलता मिलती है। क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करनी चाहिए व उन्हें प्रदान किए गए संसाधनों का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। इस मौके पर विद्यालय के पदाधिकारी। मधारी यादव, राजेंद्र सिंह, उपप्राचार्य पूर्णसिंह, कनिष्ठ विभाग मुखिया नरेंद्र यादव, वरिष्ठ विभाग के मुखिया सुनील कुमार मौजूद रहे।

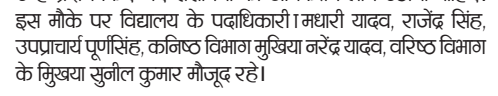

नाकों पर 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें सुरक्षाकर्मी

- एसडीएम ने स्टेटिक सर्विलांस टीम का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। स्टेटिक सर्विलांस टीम के साथ निरीक्षण पर एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह।

लोकसभा आम चुनाव के लिए विधानसभा क्षेत्र के एआरओ एवं एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को जिले के विभिन्न नाकों पर जाकर स्टेटिक सर्विलांस टीम की ओर से की जा रही जांच का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने फैजाबाद चौकी तथा सिंघाना रोड पर लगी एसएसटी टीम के इंचार्ज को आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए।

एसडीएम ने बताया कि भारतीय निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश अनुसार लोकसभा आम चुनाव के दौरान अवैध शराब, रिश्वत की वस्तुओं या बड़ी मात्रा में नकदी, हथियारों तथा असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए स्टेटिक सर्विलांस टीम का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में पुलिसकर्मी भी मौजूद है। 24 घंटे सभी नाकों पर कड़ी निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि ये टीमें प्रमुख मुख्य सड़कों, जिले और राज्य की सीमाओं पर चेक पोस्ट लगाए हुए हैं। उन्होंने टीम को निर्देश दिए कि वह चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार कार्य करे। हर रोज अपनी दैनिक गतिविधि रिपोर्ट समय पर भेजें। उन्होंने कहा कि नाकों पर प्रत्येक वाहन की गहनता के साथ जांच की जाए। यह टीम 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहे, साथ ही हर कार्य की वीडियो ग्राफी भी करवाई जाए।

ग्रामीणों ने नारेबाजी कर जताया विरोध, धरने की चेतावनी

अधर में सड़क निर्माण, 25 हजार लोग प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव नांगल सिरोही से राजस्थान की ओर से जाने वाले मार्ग का अधूरा निर्माण होने के चलते ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अधूरे सड़क निर्माण के चलते करीब आधा दर्जन गांवों के 25 हजार की आबादी को परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी विभाग से जल्द सड़क का निर्माण कार्य पूरा करने की मांग की है। शनिवार को ग्रामीणों ने बलवान फौजी के नेतृत्व में नारेबाजी कर अपना विरोध जताया। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो पीडब्ल्यूडी कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं बलवान फौजी ने जेई अनिल कुमार से बात की तो जेई ने शुक्रवार तक कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर विभाग ने शुक्रवार तक कार्य पूरा नहीं किया तो बड़ा निर्णय लेकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बलवान फौजी ने बताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से गांव नांगल सिरोही से पल, बैरावास, गडानियां, पाल व खेड़की की ओर से जाने वाले सड़क मार्ग का दोबारा से निर्माण करने के लिए करीब छह माह पहले टेंडर जारी किया था। संबंधित ठेकेदार की ओर से करीब चार माह पहले सड़क को उखाड़कर छोड़ दिया गया हैं। इससे पहले भी बलवान फौजी ने दबाव बनाकर रोड को ठीक करवाया था, लेकिन संबंधित ठेकेदार ने बीच में काम छोड़ दिया था। दोबारा से काम शुरू होने पर बीच-बीच में आधा-अधूरा काम रहे हैं। इससे ग्रामीणों में ठेकेदार के प्रति आक्रोश है। ग्रामीणों ने कहा कि ठेकेदार द्वारा लगाई सामाग्री में भी संदेह हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मार्ग पर बड़े-बडे रोडों के कारण ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। आए दिन वाहन चालक अधूरे निर्माण के चलते घायल हो रहे हैं, लेकिन विभाग के अधिकारी बिल्कुल गंभीर नहीं हैं। अगर जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। यह मार्ग राजस्थान को महेंद्रगढ़ से जोड़ता हैं। राजस्थान के कई गांवों के ग्रामीण इस मार्ग से आवागमन करते हैं। मौके पर अधिकारियों से बात की तो उनका कहना है कि शुक्रवार तक कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

इस मौके पर डॉ. धर्मवीर पायगा, इंजीनियर संदीप शास्त्री, अजीत बैरावास, सुभाष, नरेश, संतलाल, कैलाश, भैरव, रोहित, राजकुमार पाल, सुरेंद्र फौजी, अजीत, धर्मेंद्र, धर्मपाल, कृष्णा गडानियां, सूबेदार विजय सिंह खेड़की, अतर सिंह, समर सिंह, रामौतार, बंसी खेड़की, कालिया बैरावास, सरपंच सत्यवान, कैप्टन विजय प्रकाश, सूबेदार अभयसिंह, वारंट ऑफिसर रामभगत यादव सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

दमदार रिटर्न दे रहा ईटीएफ निवेश की बनाएं रणनीति

मार्च 2024 में ईटीएएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएएफ में होता था। बाजार में ईटीएएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। ईटीएएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। भविष्य में ईटीएएफ निवेश का अच्छा माध्यम बन सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

रिटेल निवेशकों का मार्च 2024 में म्यूचुअल फंडों की स्मॉल-कैप स्कीम्स में निवेश कम हुआ है। वे लार्ज-कैप और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएएफ) जैसे ऑप्शंस को तरजीह दे रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है। मार्च 2024 में ईटीएएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएएफ में होता था। बाजार में ईटीएएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट्स का कहना है कि होटल वाले वही खाना पेश करते हैं, जिसकी डिमांड होती है। जब ईटीएएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। ऐसे में निवेशकों का रुझान भी ईटीएएफ की तरफ बढ़ने लगा है। लेकिन ईटीएएफ में निवेश के लिए एक बेहतरीन रणनीति बनाई जानी चाहिए। इसके बाद ही ईटीएएफ में निवेश करना चाहिए। इससे निवेशकों को कम समय में ही बढ़िया रिटर्न मिलेगा और वे जल्द मालामाल हो सकते हैं।

पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई।

स्टॉक की तरह होता है कारोबार

ईटीएएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड का शेयर बाजार में आम स्टॉक की तरह कारोबार होता है। पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। इनमें वे टॉप पर हैं, जो सरकारी कंपनियों में निवेश करते हैं। मतलब वे निफ्टी पीएसयू या पीएसई में निवेश करते हैं। ऐसे में रिटेल निवेशक इन पर टूट पड़े हैं। रिटेल निवेशकों के लिए जरूरी है कि पहले वे ईटीएएफ के फायदे-नुकसान को समझें और बाद में निवेश करें।

अंतर समझना जरूरी

पीएसयू इक्विटी म्यूचुअल फंड और पीएसयू ईटीएएफ के बीच का अंतर समझें। ईटीएएफ में कई बार बाय-सेल में प्राइस डिफरेंस पे करना होता है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ मामलों में लिक्विडिटी से लेकर सट्टा किस्म की जोखिम और जटिलताएं भी ईटीएएफ से जुड़ी हैं।

क्या है पीएसई-ईटीएफ

निफ्टी पीएसई इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं जिनकी आउटस्टेंडिंग शेयर कैपिटल का 51% प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार और/या राज्य सरकार के पास है। इसमें 20 स्टॉक्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल यह निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकता है। ईटीएएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, जो इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स जैसे असेट को ट्रेक करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो ईटीएएफ वे फंड हैं जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जब आप ईटीएएफ के शेयर/यूनिट खरीदते हैं, तो आप एक पोर्टफोलियो के शेयर/यूनिट खरीद रहे हैं जो इसके नेटिव इंडेक्स की यील्ड और रिटर्न को ट्रैक करता है।

ईटीएफ मार्केट में चैलेंज

सर्वे के नतीजे बताते हैं कि लिक्विडिटी, मार्केट मूवमेंट और नए आइडिया पर आधारित प्रोडक्ट बड़े फैक्टर हैं, जो ईटीएफ मार्केट को चला रहे हैं, जबकि हिडन रिस्क और कम जानकारी ईटीएफ मार्केट के लिए बड़ी बाधाएं हैं, जिन पर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री को ध्यान देने की जरूरत है। 'डिकोडिंग ईटीएफ परसेप्शन' शीर्षक से 15 शहरों में रह रहे 2109 निवेशकों के बीच किए गए इस सर्वे में महानगरों के साथ-साथ टियर 2 शहर भी शामिल हैं, जिसमें दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं।

छोटे शहरों में बढ़ रहा क्रेज

म्यूचुअल फंड्स की ईटीएफ स्कीम्स को लेकर छोटे शहरों खासकर टियर 2 शहरों में तेजी से क्रेज बढ़ रहा है। 36-45 साल के निवेशकों के बीच इनकी डिमांड बढ़ रही। अलग-अलग मार्केट कैप प्रोडक्ट्स में लार्ज कैप और मिड कैप आधारित ईटीएफ की लोकप्रियता निवेशकों और निवेश की इच्छा रखने वाले लोगों के बीच ज्यादा है।

क्या है अंतर?

ईटीएएफ और अन्य प्रकार के इंडेक्स फंड के बीच मुख्य अंतर यह है कि ईटीएएफ अपने संबंधित इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश नहीं करते हैं, बल्कि केवल इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराते हैं। ईटीएएफ पैसिवली मैनेज्ड होते हैं। इसका उद्देश्य एक विशेष मार्केट इंडेक्स से मेल खाना है, इसलिए इसका फंड मैनेजमेंट स्टाइल पैसिव होता है।

एक्टिव एमएफ एमएफ से अलग कैसे

शेयर बाजार में ट्रेडिंग के चलते इसे खरीदना और बेचना अपेक्षाकृत आसान है। इसमें निवेश के लिए आपको म्यूचुअल फंड के डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। म्यूचुअल फंड की आम स्कीमों में अपनी यूनिट्स बेचने के लिए भी आपको म्यूचुअल फंड कंपनी के पास जाना पड़ता है। शेयर बाजार में खरीद-फरीख्त होने से इसकी कीमत रियल टाइम होती है। ईटीएफ खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसके माध्यम से आप खरीद फरोख्त कर सकते हैं। यह बात म्यूचुअल फंड स्कीम में लागू नहीं होती।

अब 30 की उम्र वालों के लिए सुपरहिट प्लान

- इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें, 30 साल तक छोड़ दें, हर माह 3000 रुपये लगाने पर मिलेंगे 4.50 करोड़।
- इसमें 3.91 करोड़ रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही मिलेंगे, रोजाना 100 रुपये बचाकर भी कर सकते हैं निवेश।
- रिटायरमेंट प्लानिंग भी बेहतर होगी।

बचत
बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि आदमी जितनी जल्दी निवेश शुरू करेगा, उतनी ही जल्दी अमीर बन जाएगा। यह बात काफी हद तक सच भी है। इसलिए सबको चाहिए कि वे जितनी जल्दी हो सके निवेश शुरू कर दें। इससे आपके पास अच्छा पैसा होगा और रिटायरमेंट भी बेहतर बनेगी। लेकिन, ये कोई नियम नहीं। निवेश में देर होती है, लेकिन अगर स्ट्रैटेजी सही है तो पैसा तो तब भी बनाया जा सकता है। अब देश में 30 साल की उम्र वालों के लिए भी म्युचुअल फंड में एसआईपी के कई बेहतरीन प्लान मौजूद हैं। इसमें बड़े निवेश की भी जरूरत नहीं है। बस आपको रोजाना 100 रुपये बचाने हैं। महीने के 3000 रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लगाएं 30 साल के लिए छोड़ दें। इससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग भी हो जाएगी। 30 साल बाद आपके पास 4.17 करोड़ रुपये होंगे। ये तो कुछ भी नहीं। रिटर्न की ऐसी ताबड़तोड़ बारिश होगी कि सिर्फ 3.58 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज से कमाई होगी।

ऐसे करती है काम

आप भी अच्छा रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं तो इक्विटी मार्केट में पैसा लगा सकते हैं। आप पैसा बनाना चाहते हैं तो लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी सबसे सटीक काम करती है। अपनी इनकम से जरूरी खर्चे निकाल दें और उसके बाद सिर्फ 100 रुपये की रोजाना बचत करें। इस बचत से हर महीने निवेश करना है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आपके पैसे को सही दिशा देगा और रिटर्न आपके पैसे को बढ़ाता चला जाएगा। इन्वेस्टमेंट एडवाइजर के मुताबिक, अगर बड़ा फंड चाहिए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। निवेशक 30 की उम्र में अपना पहला निवेश 3000 रुपये से करता है और 30 साल तक नियमित निवेश में करे तो बड़ा फंड तैयार होगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश करना फायदेमंद है।

कम्पाउंडिंग का मिलता है फायदा

एडवाइजर की मानें तो म्यूचुअल फंड में 30 साल के लिए निवेश करना है। इसमें अनुमानित 15% का रिटर्न मिलता है तो करोड़पति बनने की राह आसान हो जाती है। सबसे बड़ा फायदा इसमें कम्पाउंडिंग का मिलता है। मतलब 30 साल में 15% के साथ कम्पाउंड इंट्रस्ट का भी फायदा मिलेगा, लेकिन, इससे भी जरूरी है सबसे सटीक फॉर्मूला, जो एसआईपी में चार चांद लगा देगा। ये फॉर्मूला स्टेप अप एसआईपी का है। आपको बस हर साल 10% का स्टेप-अप रेट रखना है।

10% स्टेप-अप से बनेगा 4.50 करोड़ का कॉर्पस

आप 30 साल के हैं. रोजाना 100 रुपये बचाकर एसआईपी में निवेश किया है। 30 साल के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी का लक्ष्य रखा। हर साल 10% स्टेप-अप करते रहे। 3000 रुपये से शुरुआत की तो अगले साल 300 रुपये बढ़ाने होंगे। 30 साल बाद आपके पास 4,50,66,809 रुपये मैच्योरिटी अमाउंट होगा। एसआईपी कैलकुलेटर के हिसाब से 30 साल में आपका कुल निवेश 59,21,785 रुपये होगा, लेकिन, यहां सिर्फ रिटर्न से 3 करोड़ 91 लाख 45 हजार 025 रुपये का फायदा होगा। एसआईपी में ये ही रिटर्न का जादू है। इस तरह सबसे सटीक फॉर्मूला स्टेप-अप की मदद से आपके पास 4 करोड़ 50 लाख रुपये का बड़ा फंड तैयार होगा।

28 साल में भी बन सकते हैं करोड़पति

आप 28 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं बशर्ते आपका म्यूचुअल फंड आपको 13 प्रतिशत का रिटर्न दे। इस रिटर्न के हिसाब से आपकी संपत्ति 28 साल के बाद 10,176,162 रुपये होगी।

म्यूचुअल फंड पर कितना मिलता है रिटर्न

ज्यादातर विशेषज्ञों के मुताबिक एसआईपी के जरिए आप औसतन 12 प्रतिशत तक का ब्याज पा सकते हैं और कभी-कभी यह ब्याज दर बाजार के रही तेजी के कारण 15 और 20 फीसदी तक भी पहुंच सकती है या मंदी के कारण कम भी हो सकती है। आपको ब्याज संचय से लाभ होता है, और आप एसआईपी से आसानी से अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आप जितने लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करेंगें आपका लाभ उतना ही अधिक होगा।

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें, कुछ समय खुद पर निवेश करें

नई स्किल्स सीखें और घूमें और खुद की वैल्यू को बढ़ाएं, स्किल के दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ा पाएंगे, इससे आप कुछ समय बाद बड़ा अमाउंट निवेश पाएंगे, 15 लाख के बजाय बना पाएंगे 1.5 करोड़ तक का कॉर्पस, मोटा निवेश करेंगे तो मोटा मुनाफा भी मिलेगा

मुनाफा
बिजनेस डेस्क

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें। कुछ साल तक खुद पर निवेश करें और अपनी प्रतिभा को और निखारें। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं। इसके बाद आपके पास निवेश करने के लिए अधिक पैसे होंगे और आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे। लेकिन यह मानसिकता उन लोगों के लिए है जो ज्यादा अमाउंट निवेश करना चाहते हैं। हालांकि आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करोगे, उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा। जब 22-23 साल की उम्र में किसी की नौकरी लगती है, तो उसे सबसे पहले यही सलाह दी जाती है कि तुरंत निवेश शुरू कर दो, भले ही वह छोटा सा क्यों ना हो। ये बात बिल्कुल सही है कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, कंपाउंडिंग की वजह से आपको उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा, लेकिन यह सिर्फ उन लोगों के लिए अच्छा है, जो बड़ा अमाउंट निवेश कर पा रहे हैं। मामूली निवेश करने वाले लोग अगर ये सोचेंगे, तो तगड़ा रिटर्न नहीं कमा पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए कि 22-23 साल की उम्र में करीब 25 हजार रुपये की सैलरी वाली आपकी नौकरी लग जाती है। अब इसमें से अगर आप हर महीने कम से कम 10-15 हजार रुपये निवेश कर पाएं, तब तो आपको कंपाउंडिंग का फायदा समझ आएगा, वरना आपका निवेश करना आपको फायदा नहीं देगा। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में 20-25 हजार रुपये तक को एक आदमी का घर का किराया, खाना-पीना, ऑफिस आना जाना और कपड़े आदि में ही खर्च हो जाता है। यानी इतनी कम सैलरी से अगर आप बचा भी सके तो मुश्किल से 1-2 हजार रुपये ही हर महीने निवेश कर पाएंगे। वहीं अगर अपने खर्चों को बहुत ज्यादा कम भी कर दिया तो भी 5 हजार रुपये से ज्यादा बचा पाना काफी मुश्किल है।

पांच साल में रिटर्न

अगर आप हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करते हैं और साल दर साल उसे 10 फीसदी की दर से बढ़ाते हैं तो 5 साल में आप 4,67,755 रुपये का कॉर्पस बना लेंगे।

ऐसे करें तुलना

अगर आप करियर शुरू होने के बाद से ही 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते जाते और हर साल उसे 10 फीसदी बढ़ाते जाते तो आपके पास 10 साल में करीब 15 लाख रुपये का कॉर्पस जमा हो रहा था। बशर्ते आपको हर साल 10 फीसदी का औसतन रिटर्न मिलता। वहीं दूसरी ओर, अगर आप 5 साल खुद पर निवेश कर के अपनी सैलरी 4 गुना कर के निवेश शुरू करते हैं तो महज 5 साल में ही अपने कॉर्पस को 1.5 करोड़ रुपये तक का बना सकते हैं, यानी 10 गुना ज्यादा। तो करियर के शुरुआती दौर में भविष्य के लिए निवेश ना करें, अपने ऊपर निवेश करें, ताकि खुद के भविष्य को बेहतर बना सकें।

इसमें आपका कुल निवेश होगा 3,66,306 और उस पर आपको 1,01,449 का ब्याज मिलेगा। यह भी तब होगा तब आपको 10 फीसदी की दर से रिटर्न मिलेगा, जबकि तमाम बैंकों में एफडजी रेट 7-8 फीसदी से अधिक नहीं हैं। अगर आप इसी दर से 10 सालों तक निवेश करते हैं तो आपके पास 15,22,926 का कॉर्पस जमा हो जाएगा।

शुरूआत में यह करें

करियर के शुरुआती 5 सालों में आपको पैसे निवेश करने के बजाय उन्हें खुद पर इन्वेस्ट करना चाहिए। जो पैसे बचाकर आप निवेश करने की सोच रहे थे, उन पैसों को बचाकर कोई नई स्किल सीखें। इस बात की हर संभव कोशिश करें कि कैसे आप अपनी सैलरी को 4-5 गुना या उससे भी ज्यादा कर सकते हैं। आपको सिर्फ नई स्किल सीखने पर ही फोकस नहीं करना चाहिए, बल्कि घूमने-फिरने पर भी पैसे खर्च करने चाहिए। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं।

जमा हो जाएंगे 1.5 करोड़ रुपये

मान लीजिए कि आप 5 सालों तक अपने निवेश किए जाने वाले पैसों से कुछ स्किल सीखते हैं और उसके दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ाने में कामयाब हो जाते हैं, जो बड़ी बात नहीं है। ऐसे में पहले आपकी जो सैलरी 25 हजार रुपये थी, अब वह 4 गुना तक बढ़कर 1 लाख रुपये हो सकती है। अब अगर 5 साल बाद आपके खर्चे 20 हजार रुपये महीने से बढ़कर 50 हजार रुपये महीना भी हो जाते हैं, तो भी आपके पास करीब 50 हजार रुपये बचेंगे। इस तरह अगर आप अगले 5 साल 50 हजार रुपये हर महीने 10 फीसदी बढ़ाते हुए निवेश करते हैं तो आपके पास करीब 1.52 करोड़ रुपये तक जमा हो सकते हैं।

होम ट्यूटर बनकर कमा सकते हैं हर महीने हजारों रुपये

आईडिया: शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए

- यह इनकम बढ़ाने का सबसे आसान तरीका
- आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज
- इसके लिए किसी बड़े निवेश की जरूरत नहीं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

यदि आप पढ़े लिखे हैं और बेरोजगार हैं तो आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप इस बिजनस के माध्यम से हर माह अच्छे खासे रुपये कमा सकते हैं। यदि आप खुद का बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो होम ट्यूटर बनना आपके लिए बेहतरीन बिजनेस आईडिया हो सकता है। यह एक ऐसा कारोबार है, जिसमें कोई बड़ा निवेश करने की भी जरूरत नहीं होती। इसे आप गांव, कस्बे या शहर कहीं भी कर सकते हैं। हालांकि आपकी शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। आप किसी भी शहर में हिंदी, अंग्रेजी, साइंस, मैथ, केमेस्टट्री और फिजिक्स जैसे सबजेक्ट पढ़ाकर आसानी से अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। इसके अलाव छोटे बच्चों को भी ट्यूशन दे सकते हैं। आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। ऐसे आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

क्या है होम ट्यूटर

होम ट्यूटर एक ऐसा बिजनस है जो अपने घर से शुरू किया जा सकता है। यही नहीं यदि आपके पास किसी मोहल्ला या शहर में जगह है तो आप अपने खुद का इंस्टिट्यूट खोल सकते हैं। होम ट्यूटर बिजनस के माध्यम से आप छोटे बच्चों से लेकर बड़े बच्चों तक की ट्यूशन क्लास शुरू कर सकते हैं, जिसमें आप कक्षा हिंदी, अंग्रेजी और गणित के साथ विज्ञान के बच्चों को अपने घर से पढ़ाना शुरू कर सकते हैं। यही नहीं आपको मालूम ही है कि आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना है। आप अपने घर से ऑनलाइन होम ट्यूटर के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी एक विषय में दक्ष हैं तो आप एक विषय के जरिए भी होम ट्यूटर बिजनस को शुरू कर सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन शुरू करने से पहले आपको इस बिजनस की योजना को तैयार करना होगा। क्योंकि कोई भी बिजनस हो बिना योजना के शुरू नहीं किया जा सकता। उसके बाद बच्चों को और उनके पेरेंट्स को होम ट्यूशन के बारे में जानकारी देने के लिए आपको अपने मोहल्ले और शहर में प्रचार प्रसार करना होगा, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। होम ट्यूशन में अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने के लिए आप ऑनलाइन सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का तरीका अपना सकते हैं। यही नहीं आप अपने मोहल्ले में बच्चों को आकर्षित करने के लिए पेम्पलेट का भी प्रयोग कर सकते हैं।

शुरू में बच्चों को छूट दें

इस बिजनस को शुरू करने से पहले बच्चों को फीस में छूट देनी होगी, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। इसके अलावा, यदि आप अपने दक्ष विषय के अलावा दूसरे विषयों की भी होम ट्यूशन को शुरू करना चाहते हैं, तो आपके पास उन विषयों में दक्ष टीचर भी होने आवश्यक है।

कितनी हो सकती है कमाई

होम ट्यूशन के जरिए आप हर माह हजारों रुपये तक की कमाई कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके पास जितने ज्यादा बच्चे होंगे उतनी कमाई आपकी ढुगनी होगी। एक उदाहरण के तौर पर समझे तो आप एक बच्चे से हजार रुपये हर महीने के लेते हैं और आपके पास 50 बच्चे भी हैं तो इस अनुसार आप हर माह 50,000 रुपये तक कमा सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन के फायदे

एक ही छात्र पर होता ध्यान : अभिभावकों द्वारा होम ट्यूशन लगाने का एक सबसे बड़ा कारण यह है कि स्कूलों में एक क्लास में कई छात्र होते हैं और शिक्षक प्रत्येक छात्र पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते। होम ट्यूशन में एक शिक्षक का ध्यान एक छात्र पर रहता है और वो अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके एक छात्र को अच्छी तरह सब समझा पाते हैं।

अच्छे शिक्षक मिलते हैं : होम ट्यूशन में आप अपने अनुसार अनुभवी शिक्षकों से अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं। कई स्कूलों में अनुभवी शिक्षक नहीं होते हैं। वहीं होम ट्यूशन देने वाले शिक्षकों को कई सालों का अनुभव होता है। आप अपनी क्षमता के अनुसार होम ट्यूशन लगा सकते हैं। आप अच्छे से अच्छे शिक्षक को घर पर अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए बुला सकते हैं।

अधिक सीखने को मिलता है : होम ट्यूशन में छात्र अपनी क्षमता अनुसार अधिक भी सीख सकते हैं। स्कूलों में सभी बच्चों के अनुसार पढ़ाया जाता है। वहीं अगर आपका बच्चा अधिक सीखने की क्षमता रखता है तो अपने अनुसार पढ़कर सिलेबस को जल्दी खत्म करा सकता है।

छात्रों को मिलता है अच्छा माहौल : होम ट्यूशन से छात्रों को पढ़ने का अच्छा माहौल मिलता है। वे अपने अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। स्कूलों में क्लास में अधिक छात्रों के होने के कारण छात्र खुलकर शिक्षकों से सवाल नहीं पूछे पाते हैं। वहीं होम ट्यूशन में छात्र अपनी सुविधा के अनुसार शिक्षकों से आराम से सावल भी कर पाते हैं और अपने डाउट्स भी क्लीयर कर पाते हैं।

खबर संक्षेप

कंपनी के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

कसोला। इंडस्ट्रियल एरिया में चोर एक कंपनी के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में धारूहेड़ा निवासी नीरज कुमार ने बताया कि वह एक कंपनी में कार्य करता है। वह बाइक लेकर कंपनी में आया था। बाइक बाहर खड़ी करने के बाद वह अंदर चला गया। शाम को घर जाने के लिए बाहर आया तो उसकी बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

घर में घुसकर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने खालेटा में घर में घुसकर मारपीट करने और धमकी देने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 3 मई को केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में खालेटा निवासी वेदप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

होटल पर खाना खाने के बाद चालक लापता

बावल। कसोला चौक के निकट एक होटल पर खाना खाने के बाद ट्रैक्टर चालक लापता हो गया। पुलिस शिकायत में सिरसा निवासी अजीत ने बताया कि वह ट्रैक्टर से तूड़ी सप्लाई का कार्य करता है। उसके ट्रैक्टर पर सिरसा निवासी रविदास चालक है। कसोला चौक पर एक होटल पर खाना खाने के बाद चालक रविदास अचानक लापता हो गया।

नेवल एकेडमी लिखित प्रथम का लिखित परीक्षा का परिणाम किया जारी

सूरज ग्रुप के 95 से अधिक विद्यार्थियों ने एनडीए की परीक्षा में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अप्रैल माह के आयोजित नेशनल डिफेंस एकेडमी और नेवल एकेडमी लिखित प्रथम का लिखित परीक्षा का परिणाम जारी किया। जिसमें सूरज ग्रुप ऑफ स्कूल के 95 से अधिक विद्यार्थियों ने इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने में सफलता प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। निदेशक संदीप प्रसाद ने विद्यार्थियों की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में करिश्मा, अंतिम, साहिल, जतिन, डिम्पी यादव, समीर, योगेश वत्स, सुधांशु शर्मा, शुभम, मुस्कान, मनीष कुमार, गुंजन, अभिषेक, काव्यांश, कविता चौधरी, यादवेंद्र, शिवांगी, प्रदीप, राहुल, भूपेंद्र, कुलदीप, विक्रम, नितेश, हर्ष, शिवम, मीनाक्षी, युद्धवीर, सोमेश, हरेंद्र, नवीन आदि सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी इस परीक्षा को उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि सूरज विद्यालय में छठी कक्षा से ही बोर्ड की कक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी करवाई जाती है। सूरज के विद्यार्थी हर तरह की प्रतियोगी परीक्षाओ जैसे नीट, आईआईटी, जेईई, क्लैट, सीए एवं ओलिम्पियाड में अपनी प्रतिभा और क्षमता के साथ सफल होकर देश के विभिन्न प्रशासनिक विभागों में कार्यरत है। उन्होंने बताया हर वर्ष की तरह यूपीएससी ने एनडीए की परीक्षा 21 अप्रैल 2024 को देशभर के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की थी। लिखित परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद से दो सप्ताह के

बीआर ज्ञानदीप के छात्रों ने एनडीए में लहराया परचम

महेंद्रगढ़। एनडीए के परीक्षा परिणाम में बीआर ज्ञानदीप के छात्रों ने सफलता प्राप्त की। विद्यालय प्राचार्य रामवीर यादव ने बताया कि विद्यालय के छात्र आशीष पुत्र रवि दत्त, तमन्ना पुत्री कृष्ण कुमार और मोनू पुत्री जोगेंद्र ने सफलता हासिल कर विद्यालय और अपने क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। संस्थापक रामसिंह यादव ने छात्रों की इस उपलब्धि पर सभी स्टाफ सदस्यों और बच्चों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय सभी स्टाफ सदस्यों को जाता है, जिनकी मेहनत की बदौलत आज यह मुकाम हासिल हुआ है। इन छात्रों की उपलब्धि से विद्यालय के दूसरे बच्चे भी निश्चित तौर पर प्रेरित होंगे। चेयरमैन आरआर यादव ने कहा कि हमारे बच्चे जहां भी जाते हैं, वहां छा जाते हैं। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने के लिए कहा कि हमें सभी प्रतियोगी परीक्षा और आयोजन में हिस्सा लेते रहना चाहिए और विद्यालय के अनुभवी स्टाफ का फायदा उठाना चाहिए।

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एनडीए में यदुवंशी का रहा शानदार परीक्षा परिणाम, 35 विद्यार्थियों का हुआ चयन

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन के 35 विद्यार्थियों ने एनडीए की लिखित परीक्षा में चयनित होकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ज्ञातव्य हो कि विद्यार्थियों की कक्षा में अलग से तैयारी करवाई जाती है तथा साथ ही आगे की सफलता के लिए एसएसबी की तैयारी करवाने का प्रावधान किया गया है। एनडीए के लिए योग्यता 12वीं पास है। इसके चयन के लिए कई चरणों से गुजरना पड़ता है। साक्षात्कार अहम होता है, जिसमें विद्यार्थी को मुख्य रूप से पांच दिन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। यह परीक्षा सेना की सर्वश्रेष्ठ परीक्षा मानी जाती है, जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र में अग्रगणय स्थान बनाया है। चयनित विद्यार्थियों में अभिजीत सिंह, नीतू सिंह, रवि, मनीष, मुकुल श्योराण, सागर, अंजलि, आर्यन, सचिन, मनीष कुमार, दीपिका, संध्या, सौरव, प्रियांशी, छवि, मुस्कान, अरूण, गगनदीप, सुधांशु, विनय आदि शामिल रहे। निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि राष्ट्रसेवा ही सबसे बड़ी सेवा है और लगातार हमारे विद्यार्थी इस उत्तम सेवा की ओर तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त छात्रों से प्रेरणा लेकर क्षेत्र के सभी विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने कहा कि मेडिकल व इंजीनियरिंग के साथ-साथ विद्यार्थी सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में अव्वल रहते हैं, जो क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि संस्था प्रतिवर्ष शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में भी नित नए आयाम स्थापित कर रही है। अभिभावकों द्वारा संस्था पर विश्वास ज ताने पर उन्होंने उनका धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

नारनौल। मदर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

राजस्थान पब्लिक स्कूल में मनाया मदर्स-डे

नारनौल। राजस्थान पब्लिक स्कूल जखराना में मदर्स डे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम अनिता, द्वितीय संगीता सिंह रही। इसी प्रकार दूसरी प्रतियोगिता में सरिता प्रथम, प्रियंका द्वितीय रही। वहीं उपेश टीम विजेता रही व बाला प्रथम रही। जिन्हें संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। वाइस प्राचार्य योगेश कुमार ने क्षेत्र से आई माताओं का स्वागत किया। इस मौके पर डायरेक्टर पीयूष यादव, विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर की डायरेक्टर डा. रविंद्रा यादव, संस्था के डायरेक्टर डा. सुभाष सिंह, पीजी कॉलेज प्राचार्य डा. लोकेश कुमार, आईटीआई प्राचार्य सतीश यादव, सोमदत्त शर्मा, बालकृष्ण यादव, पीटीआई महेश कुमार आदि मौजूद थे। मंच संचालन छात्रा नेया यादव व साक्षी ने किया।

यदुवंशी डिग्री कॉलेज में मनाया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

महेंद्रगढ़। यदुवंशी डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए निंबध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय प्रोज. एंड कॉस ऑफ टेक्नोलॉजी रहा। प्रतियोगिता में वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी के महत्व को दशार्या गया। कॉलेज के छात्रों ने इस दिवस को मनाने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए यह भी बताया कि वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी ने हमें चारों तरफ से घेर रखा है। टेक्नोलॉजी हमारी हर जरूरत को पूरा करने में मदद करती है। संस्था अध्यक्ष राव बहादुर सिंह ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर बल दिया जाना चाहिए। देशभर में इस दिवस को कई तरह के कार्यक्रम के साथ मनाया जाता है। आज हमारे कॉलेज में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया, जो नई खोज और आविष्कारों को प्रदर्शित करता है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी की दिवस हमें विज्ञान औद्योगिक की शक्ति का जश्न मनाने में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियां पर गर्व करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सब मिलकर नवाचार की राह पर चलते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। डायरेक्टर विजय सिंह यादव, डॉक्टर प्रदीप यादव व प्राचार्य बबरूभान ने कहा कि यह दिवस नीति निमार्ताओं, वैज्ञानिकों और उधोग जगत के लोगों को साथ लाकर भारत के लिए वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी के भविष्य की दिशा तय करने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बीआर स्कूल में कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

बीआर स्कूल सेहलंग में शनिवार को शिक्षक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदत्त शिक्षाविद् सीमा गर्ग मुख्यातिथि, चेयरमैन हरीश भारद्वाज विशिष्ठ अतिथि व प्राचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यातिथि सीमा गर्ग ने आधुनिक कक्षा कक्ष में आए बदलावों, शिक्षण में प्रयोग होने वाली नई-नई तकनीकों के उपयोग तथा शिक्षण कार्य को सरल व प्रभावी बनाने में विद्यार्थियों कि रुचि को कैसे बढ़ाया जा सकता है, इत्यादि अनेक गुरों से अध्यापकों को परिचित कराया। उन्होंने शिक्षकों को कक्षा प्रबंधन के अंतर्गत विद्यार्थियों के व्यवहार प्रबंधन, समय प्रबंधन व विषय वस्तु संबंधी प्रबंधन आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। गर्ग के अनुसार वर्तमान समय में शिक्षक बनने से पहले शिक्षकों को कक्षा प्रबंधन अवश्य सीखना चाहिए, ताकि उन्हें हर स्तर के विद्यार्थियों को शिक्षित करने में मदद मिल सके। प्राचार्य डा. राममोहन वशिष्ठ ने सीमा गर्ग का धन्यवाद किया। इस अवसर पर उपसंचालक कृष्ण भारद्वाज, उपप्राचार्या ज्योति

महेंद्रगढ़। शिक्षिकों को जानकारी देती सीमा गर्ग। फोटो : हरिभूमि

बीपीएस स्कूल में मदर्ड डे पर कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। बीपीएस स्कूल कुलताजपुर रोड में मदर्स डे बड़े ही उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था चेयरमैन नरेश संघी व सचिव किशन चौधरी एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर बीपीएस जूनियर के बच्चों ने सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किए। पहली लोटस के बच्चों ने ये तो सच है कि भगवान हैं गीत पर नृत्य करते हुए माता-पिता के प्रति अपने कृतज्ञता के भाव को प्रदर्शित किया। दूसरी लोटस कक्षा के बालक-बालिकाओं ने तुझमें रब दिखता है गीत पर नृत्य के माध्यम से मां-बाप के प्रति अपने श्रद्धा और सम्मान को प्रदर्शित किया। कक्षा ग्याहरवीं की छात्र-छात्राओं ने तेरी उंगली पकड़ के चला गीत पर अपने मनोभावों को नृत्य के माध्यम से मां-बाप के निःस्वार्थ सहयोग, सहारे के लिए उनका धन्यवाद किया। कार्यक्रम संस्था के कोरियोग्राफर तरूण सोनी, जूनियर हेड रेणु गुप्ता व सभी मदर टीचर्स के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था प्रिंसिपल उदयभान राव ने जीवन में मां के महत्व, उनका निःस्वार्थ प्रेम, त्याग एवं बलिदान के बारे विस्तार से प्रकाश डाला।

लिटिल एंजेल में मनाया मातृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

खादी भंडार केंद्र के पास स्थित लिटिल एंजेल स्कूल में शनिवार को मातृ सम्मान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि संस्था चेयरपर्सन कौशल्या अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि मैनेजर चंचल अग्रवाल व अध्यक्षता संचालिका वर्षा गुप्ता ने की। कौशल्या अग्रवाल ने कहा कि मां की मेहता आसीम है। मां सहनशीलता और त्याग की एक मूर्ति है। इस दौरान कई रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें गैप्स डांस, मटकी डांस आदि आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मातृशक्ति का जोश देखने को मिला। गेम्स में मंजू, स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा मटकी डांस में चंचल व पूजा ने बजारी मारी। इसके अलावा बेस्ट मदर का अवार्ड काजल लखेरा ने जीता। कार्यक्रम के समापन पर चेयरपर्सन कौशल्या अग्रवाल ने कार्यक्रम में आई सभी माताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

महेंद्रगढ़। माताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

टाईगर क्लब ने लगाई मोहल्ला खड़खड़ी में माता की चौकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शुक्रवार रात को मोहल्ला खड़खड़ी में आर्यसमाज मंदिर के पास नरेश चौहान के निवास पर माता की चौकी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के मुख्य संरक्षक जयप्रकाश अग्रवाल, सचिव नरेंद्र बंसी ने संयुक्त रूप से की। जिसमें मुख्य यजमान नरेश चौहान व उनकी पत्नी रहे। इस बारे में कैलाश नंबरदार, टाईगर क्लब परिवार प्रधान राकेश यादव, संरक्षक डा. शिवकुमार ने बताया कि माता की चौकी में सर्वप्रथम कार्यक्रम पुरोहित पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन करवाया। मोहन सागर ने गणेश वंदना की। माता का आह्वान प्रसिद्ध गायकर परमानंद वर्मा ने किया। इसके बाद भजनों का दौर शुरू हुआ। जिसमें नरेंद्र बंसी ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, मैं परदेशी हूं पहली बार आया हूं, हारा हूं मैया पर तुझपे भरोसा है जीतूंगा एक दिन ये दिल मेरा कहता है, विकास जांगिड़ ने किस से करूं मैं मां की तुलना मां से बड़ा ना कोई, आए नवरात्रे मैया के, तू कितनी अच्छी है तू कितनी प्यारी प्यारी है, सोनू पागल ने मेरा तू ही एक सहारा मां, जयप्रकाश अग्रवाल, पंडित नारायण शास्त्री ने लुट रहा लुट रहा रे मैया का खजाना लूट आदि भजनों से भक्तजनों को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर नरेश चौहान, सुनील शर्मा, अमित, महेश सोनी, सुरेंद्र सैनी, अरुण सोनी, प्रवीन यादव आदि मौजूद थे।

नारनौल। यजमान को माता का स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

खैराणी में मनाई महाराणा प्रताप जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव खैराणी में महाराणा प्रताप जयंती धूमधाम से मनाई गई। इसमें मुख्य अतिथि अतर लाल एडवोकेट की अगुवाई में युवाओं ने गांव के खैराणी अड्डे से लेकर बाबा भौमियां तक बाईकों से शोभा यात्रा निकाली। बाबा भौमियां मंदिर में पहुंचकर श्रद्धालुओं ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा केक काटकर महाराणा प्रताप को नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच बजरंग सिंह ने की। मुख्य अतिथि अतर लाल ने महाराणा प्रताप के जीवन वृतांत को सुनाते हुए उनके जीवन से सीख लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने अपना वित्तमंत्री सेठ भामाशाह तथा सेनापति हाकिम खां शूर को बनाया। उन्होंने अपनी सेना में भील, कौल जातियों सहित 36 बिरादरी के लोगों को शामिल कर अकबर से युद्ध किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अतर लाल ने युवाओं को नशा छोड़ने तथा इसके खिलाफ अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग लेने की शपथ दिलाई। भाग सिंह तंवर ने नशा को समाज के लिए घातक बिमारी बताते हुए युवाओं से अतरलाल द्वारा चलाए जा रहे नशा छोड़ो अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर बजरंग सिंह, पप्पू कौशिक, जयबीर, सौरव, ग्यारसीलाल, बबली पंच आदि ने महाराणा प्रताप जयंती की सफलता के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया।

मंडी अटेली। महाराणा प्रताप चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए मुख्य अतिथि अतर लाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

ट्रैक्टर पर चढ़ा तेज रफ्तार ट्रॉला, चालक की मौत

कुंड। पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर हनुमान मंदिर के पास एक तेज रफ्तार ट्रॉला ट्रैक्टर ट्रॉली पर चढ़ गया। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। अटेली के सलीमपुर निवासी सुरेश गोठड़ा टप्पा खोरी निवासी संजय यादव के ट्रैक्टर पर 2 साल से ड्राइवर लगा हुआ था। वह ट्रैक्टर लेकर राजस्थान के भीमपुरा से ईंट लाने के लिए गया था। वासप आने पर जब वह कुंड बस स्टैंड के पास पहुंचा तो पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रॉले ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल सुरेश को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पिकअप रुकवाकर दो लोगों से मारपीट

बव्वा। बहाला गांव में पिकअप गाड़ी में सामान लेकर आए दो दोस्तों के साथ कुछ लोगों ने गाड़ी रुकवाकर मारपीट की। इन लोगों ने पिकअप गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। कोसली पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। भिवानी जिले के गांव सिंघानी निवासी अजय ने बताया कि वह और उसका दोस्त सचिन बुढेड़ा से पिकअप में बुकिंग का सामान उतार रहे थे। इसी दौरान बहाला निवासी अनिल दो-तीन अन्य लोगों के साथ वहां पहुंच गया। उन्होंने झगड़ा करना शुरू कर दिया। पुलिस के पहुंचने के बाद वह दोनों गाड़ी लेकर वहां से निकल गए। अजय ने आरोप लगाया कि एक कार में सवार अनिल और उसके साथियों ने उनकी गाड़ी रुकवा ली। इन लोगों ने दोनों के साथ जमकर मारपीट करते पिकअप गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया।

कार्यक्रम 60 बच्चों को डिप्लोमा इन कंप्यूटर एवं अन्य कंप्यूटर शिक्षा के सर्टिफिकेट्स किए वितरित

प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन को सरल बनाया : हरीश भारद्वाज

- प्रौद्योगिकी के अभाव में देश को विकसित करने की संभावनाएं कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी में मानव ने बहुत विकास कर लिया है। अब प्रौद्योगिकी के बिना रह पाना नामुमकिन हो गया है। इसने हमारे जीवन को सरल, आसान और सुविधाजनक बना दिया है। यदि हम विज्ञान में प्रगति नहीं करते तो आज भी हमारा जीवन पहले की तरह दुष्कर और कठिन होता। उपरोक्त विचार राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में सतनाली मोड स्थित हारट्रोन स्किल एवं कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर पर बतौर मुख्यातिथि बीआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस सेहलंग के चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने व्यक्त किए। कार्यक्रम अध्यक्ष सवेरा स्वयंसेवी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मनोज गौतम ने कहा कि हरीश भारद्वाज देश के प्रतिष्ठित संस्थान से मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन है। आज जीवन से जुड़ी प्रौद्योगिकी के विषय में इन्होंने विस्तार से आपको बताया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और लोगों के जीवन को बेहतर करने के लिए नवीनतम ज्ञान, प्रौद्योगिकी, विज्ञान और इंजीनियरिंग आवश्यक मौलिक वस्तुएं हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अभाव में एक देश पिछड़ जाता है और उसके विकसित करने की संभावनाएं कम से कम हो सकती हैं। आज जरूरत है युवाओं को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सकारात्मक सदुपयोग करने की ताकि भारत को नई रचनात्मक सोच और प्रौद्योगिकी के उपयोग से हम फिर से सिरमौर बना सके। इस दौरान 60 बच्चों को डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं अन्य कंप्यूटर शिक्षा के सर्टिफिकेट्स वितरित किए गए। कार्यक्रम में मोहित, अनु, अनमोल, साहिल, देवेंद्र, गौरव, अमन, आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। युवाओं को हारट्रोन डिप्लोमा वितरित करते हरीश भारद्वाज। फोटो : हरिभूमि

सूचना

मैं विपिन अग्रवाल पुत्र हनुमान प्रसाद निवासी हुडा सैक्टर 1, मकान नं. 398 नजदीक बिग बचत बाजार, तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ बयान करता हूं कि मेरे पुत्र के पासपोर्ट में उसका नाम मयंक दर्ज है जबकि उसके सभी दस्तावजों में उसका नाम मयंक अग्रवाल है। नियमानुसार पासपोर्ट में भी नाम सही किया जाए।

SANSKRITI INSTITUTE OF EDUCATION & TECHNOLOGY
Nizampur Road, Amarpur Jorasi (Narnaul)
Tel. : 01282-242444, 9812224055, 9671668844, 9416454720
Accredated by NACC with "B" Grade (sietnnl@rediffmail.com)

Required following Teaching & Non-Teaching Staff

M.Ed. : Prof.-1, Asso. Prof. - 2, Assistant. Prof.-2
B.Ed. : Perspectives in Edu.-8, Pedagogy Subject-16, Fine Art-1, Performing Art-1, Health & Phy. Education-1
Non-Teaching : Office Supdt.-1, Account Assist.-1, Computer Operetor-1, Comp. Lab. Assist.-1, Store Keepar-1, Lab Att./Helper-1, Lab Att. (Phy)-1, Librarian-1, Peon-1, Sweeper-2

Salary & Qualification as per norms of NCTE/IGU Meerpur, Rewari

Candidate send your biodata and One set documents photocopy at College Campus & One copy of biodata send to Dean of DCDC IGU Meerpur, with fee Rs. 1000/- by Regd. Post or by Hand which must Reach Within 15 days from the Publication of Advertisment. Brings all Original Certificate and to recent colour pasport size photographs at Interview time. **Chairman**

खबर संक्षेप

कनीना। आर्य समाज रसूलपुर समारोह में उपदेश देती आर्य नेत्री।

आर्य समाज रसूलपुर का दो दिवसीय वार्षिक उत्सव

कनीना। आर्य समाज रसूलपुर का 34वां दो दिवसीय वार्षिक उत्सव शनिवार को वैदिक यज्ञ के साथ आरंभ हुआ। समारोह में दूर दराज से आए ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। समारोह का 12 मई को समापन होगा। सतीश आर्य ने बताया कि इस समारोह में भजन-उपदेश के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने का आह्वान किया गया। उत्सव में संगीता आर्या, अनुज शास्त्री, विजयपाल ने सामजिक कुरीतियों पर चोट की। इस मौक पर वेदपाल शास्त्री, योगेश कुमार आदि मौजूद थे।

बाबा न्यारमदास मंदिर में कार्यक्रम 13 से

चरखी दादरी। बाबा न्यारमदास मंदिर सिरसली धाम पर 13 मई की रात्रि जागरण किया जाएगा। जागरण में प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुति देकर भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगे। पूर्व सरपंच सुदर्शन ने बताया कि 14 मई को बाबा न्यारमदास की पूजा अर्चना के साथ जनकल्याण के लिए सुबह 8 बजे हवन किया जाएगा। प्रातः 10 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आज

भिवानी। दादरी गेट न्यू हाऊसिंग बोर्ड स्थित रेस्तरां में भिवानी केसरी स्वर्गीय सेठ भगीरथमल बुवानीवाला की पुण्य स्मृति में अग्रवाल वैश्य समाज 12 मई को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। समाज के उमेश बंसल, आशीष एडवोकेट व मनीष तायल ने कहा कि समाज का उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद लोगों को विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ मिले।

पुत्री की गुमशुदगी पर पिता की शिकायत पर केस दर्ज

भिवानी। कस्बे में पुत्री की गुमशुदगी होने पर पिता ने पुलिस में शिकायत देकर मामला दर्ज करवाया है। पुलिस में दी शिकायत में पिता ने बताया कि उसकी 18 वर्षीय पुत्री 7 मई को बिना बताए कहीं चली गई जिसको ढूंढने का हर संभव प्रयास किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

जिले में आंधी बनी आफत

ब्रह्मचारी रोड पर पेड़ गिरने से वाहन चालकों को उठानी पड़ रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर के ब्रह्मचारी रोड पर शुक्रवार शाम को तेज आंधी के कारण दो पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए, जिससे आवागमन बाधित हो गया। कमाल की बात यह है कि 20 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी किसी भी संबंधित विभाग के अधिकारी या कर्मचारी ने सड़क पर गिरे पेड़ को नहीं हटाया है। बाद में आसपास के लोगों ने स्वयं ही एक पेड़ काट कर सड़क के बीच से हटाया, लेकिन दूसरा पेड़ रोड के बीच में पड़ा हुआ है, जिसके चलते आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। इसके अलावा पेड़ में मधुमक्खी का छत्ता होने से मक्खी के काटने का डर बना हुआ है। बता दें कि शुक्रवार शाम को तूफान की वजह से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई जगह पेड़ गिर गए है तो कहीं पर साइन बोर्ड उखड़ गए है। बिजली ढांचे को भी काफी नुकसान पहुंचा है। इस कारण शहर में देर रात बिजली बहाल हो पाई थी। इस कारण शहरवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। तूफान और बारिश से जहां गर्मी से राहत मिली है तो वहीं इससे आम जनजीवन भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। शहर के कई स्थानों पर बिजली की लाइन में फाल्ट आने और पेड़ों के सड़कों में गिरने की समस्या उत्पन्न हुई है। शहर के कई इलाकों में लोगों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी है। शुक्रवार शाम को तेज तूफान के कारण ब्रह्मचारी रोड पर दो पेड़ टूटकर गिर गए, लेकिन जिम्मेदारों ने इन्हें हटवाया नहीं। इससे रात्रि में दुर्घटना का भय बना हुआ है। इस ओर जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। बीच सड़क पर पेड़ गिरने से रास्ता जाम पड़ा है। रात्रि के समय दुर्घटना का भय बना रहता है।

महेंद्रगढ़। ब्रह्मचारी रोड पर बीच सड़क पड़ा पेड़। फोटो : हरिभूमि

यह कहते हैं लोग

ब्रह्मचारी रोड निवासी कैप्टन ऋषिराज लांबा ने कहा कि

शुक्रवार शाम को तेज आंधी के चलते उसके घर के सामने पेड़ टूटकर गिर गया था। पेड़ गिरने कोई अनहोनी घटना नहीं हुई है, लेकिन दोपहर के 12 बजे तक किसी भी जिम्मेदार ने रोड से पेड़ नहीं हटाया है। रोड पर पेड़ गिरे रहने से उनका घर से निकलने में परेशानी हो रही है। इसके अलावा पेड़ पर मधुमक्खी का छत्ता होने मक्खी काटने का भय बना हुआ है। प्रशासन को जल्द पेड़ हटाना चाहिए, ताकि कोई परेशानी ने हो।

महेंद्रगढ़। शौचालय के ऊपर पड़ा पेड़। फोटो : हरिभूमि

मनोज कुमार

आवागमन हुआ मुश्किल

मनोज कुमार ने बताया कि निजी अस्पताल के पास तेज आंधी के चलते पेड़ शौचालय व रोड पर गिर गया, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ है। रोड पर पेड़ गिरने से वाहन चालकों को आवागमन में बाधा बनी हुई है। प्रशासन से मांग करते है कि पेड़ को जल्द हटाया जाए, ताकि लोगों को परेशानी ने हो।

5533 केसों का किया निपटारा

- नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार शनिवार को न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता ने बताया कि नारनौल में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश चौधरी, अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिविजन अमित सिहाग व सिविल जज जूनियर डिवीजन अनुराग यादव, कनीना में सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रवीण कुमार व महेंद्रगढ़ में सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रदीप कुमार न्यायाधीशों की बैचों ने फैसले किए। सीजेएम शैलजा गुप्ता ने बताया कि इस लोक अदालत में वाहन दुर्घटना मुआवजा केस, वैवाहिक मामले, जमीन अधिग्रहण मुआवजा से संबंधित मामले, दीवानी मामले जैसे किराया, बैंक ऋण, बच्चों व पत्नी के लिए भरण-पोषण, चैक बाउंस व राजीनामा योग्य फौजदारी मामलों को रखा गया। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में कुल 9555 केस निपटारे के लिए रखे गए। जिनमें से 5533 केसों का फैसला किया गया।

लोक अदालत में केसों का निपटारा करते न्यायाधीश। फोटो : हरिभूमि

प्रवीण ने प्राप्त की पीएचड की डिग्री

- लेफ्टिनेट अशोक कुमार के पुत्र पंजाब में संगरूर के संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट से की प्राप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

निवासी लेफ्टिनेंट आशोक कुमार के पुत्र प्रवीण कुमार ने संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संगरूर पंजाब द्वारा संचालित पीएचडी डिग्री से सम्मानित किया गया।
उनका शोध क्षेत्र 3डी प्रिंटिंग पर था। डॉ. प्रवीण कुमार अपने शोध के लिए प्रोफेसर डॉ. प्रदीप गुप्ता और प्रोफेसर डॉ. इंद्राज सिंह को संदर्भित किया हैं, जिन्होंने उन्हें मार्गदर्शन दिया। उन्हें इस सफलता के लिए धन्यवाद। इसके अलावा उन्होंने अपने परिवार के सदस्य पिता अशोक कुमार, माता विजयलक्ष्मी, पत्नी ममता कुमारी और बच्चे विहान राव और कियारा का भी योगदान प्राप्त किया है। डॉ. प्रवीण कुमार द्वारा पीएचडी अध्ययन के दौरान 10 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए गए हैं और उनके शोध के कुछ परिणाम सर्वोच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक पत्रिकाओं में छपे हैं। आगामी अध्ययन के लिए प्रवीण कुमार विदेशी विश्वविद्यालय से पोस्ट डॉक्ट्रेल शोध करने की योजना बना रहे हैं।

कनीना। डॉ. प्रवीण कुमार अपने सुपरवाइजर्स बाह्य मान्यकर्ता और विभाग के प्रमुख के साथ। फोटो :हरिभूमि

सरकार से जनता परेशानः दानसिंह

- भिवानी महेंद्रगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी राव दान सिंह ने तोशाम हल्के में किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

भाजपा सरकार में आम लोगों का जीना मुहाल हो गया है। प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी दिनों दिन बढ़ रही है। वहीं भाजपा सरकार अपने 10 साल के कार्यकाल को विकास बता रही है। जनता आगामी चुनाव वोट से माध्यम से भाजपा पर चोट करेगी। उक्त विचार भिवानी महेंद्रगढ़ कांग्रेस प्रत्याशी राव दान सिंह ने शनिवार को तोशाम विधानसभा क्षेत्र के गांव मालवास, मलवास कुहाड़, कुसुंभी, केहरपुर, टीटानी, हेतमपुरा, लेघा हेतवान, लेघा भानन, जीतनवास, शिमलीवास, मन्नारवास, धारवाण वास, देवराला, खपड़वास, इंढीवाली, लड़ियावाली, बिजलानावास, ढाब ढाणी, पोकरवास, लालावास, बावरवास, चंदावास, कैरु, ढागर में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहीं। गांवो में पहुंचने पर राव दानसिंह का ग्रामीणों ने स्वागत किया।

भाजपा-जजपा की मिलीभगत

जेजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि आमतौर विधायकों को व्हीप जारी किया जाता है। सदन में हाजिर रहने के लिए इन्होंने विधायकों को सदन में हाजिर नहीं रहने को कहा यह इनकी मिलीभगत है। कांग्रेस युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर है। नौकरी की पक्की गारंटी देने के लिए प्रशिक्षुता अधिकार अधिनियम लाया जाएगा यह कानून 25 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक डिप्लोमा धारक या कॉलेज ग्रेजुएट को निजी या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी में एक साल की ट्रेनिंग के लिए राईट-टू-ओपरेटिव एक्ट गारंटी देना है युवाओं को ट्रेनिंग में स्किल मिलेगा रोजगार क्षमता बढ़ेगी।

अब अंतिम व्यक्ति को मिल रहा लाभः धर्मबीर

- भाजपा शासनकाल में पिछले 10 वषारे के दौरान बदली देश की दिशा व दशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी चौ. धर्मबीर सिंह ने कहा कि भाजपा की सोच देश के प्रत्येक जन के हित को ध्यान में रखते हुए योजनाएं क्रियान्वयनित करना है। यही नहीं भाजपा द्वारा योजनाएं क्त्रियान्वित करके यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि उन योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक मिले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शासनकाल में देश की दशा और दिशा पूर्ण रूप से बदली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू की योजनाओं के चलते एक तरफ जहां आमजन की स्थिति सुधरी है तो वही राष्ट्रहित के फैसलों के दम पर आज विश्व भर में भारत का नाम सम्मानपूर्वक लिया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि जम्मू में जहां पहले सैनिकों पर पत्थर बरसाए जाते थे, वही अब सैनिकों पर फूल बरसते है तथा यह सब प्रधानमंत्री नीति की वजह से ही मुमकिन हो पाया है। धर्मबीर सिंह अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान कोंट रोड़, कीर्तिनगर, बैंक कॉलोनी, ढ़ाणा रोड़, पीपली वाली जोहड़ी, जागृति कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, सेक्टर-13] विद्या नगर में जनसभाओं को संबोधित किया। धर्मबीर सिंह ने तोशाम हल्के के गांव ढ़ाणी रिवासा जाटान, ढ़ाणी रिवासा अहीर, धारण, रिवासा, निगाना कलां,निगाना खुर्द,दुल्हेड़ी, आमलपुर, संडवा, पटौदी, थिलौड़, बादलवाला, बिडौला, छपार रागडान, छपार जोगियान,गारनपुरा खुद, पिंजोखरा, खानक, किरावड़, ढ़ाणी किरावड़, भुरटाना, अलखपुरा, सांगवान, दांग कलां, दांग खुर्द, ढ़ाणी बीरन,बीरण, बापोड़ा,खरकड़ी राजपुरा इत्यादि गांवों का दौरा किया।

भिवानी। जन सम्पर्क अभियान के तहत लोगों को संबोधित करते भाजपा प्रत्याशी धर्मबीर सिंह।

धर्मबीर सिंह की धर्मपत्नी मुन्नी देवी ने महिलाओं से की मतदान की अपील

भाजपा प्रत्याशी चौ. धर्मबीर सिंह के पक्ष में मतदान की अपील के साथ चौ. धर्मबीर सिंह की धर्मपत्नी मुन्नी देवी ने शनिवार को काकड़ौली हुक्मी, लाडावास, द्वारका, डांडमा, सिरसली, कारी रूपादास, कारीमोद, क्त्रांतिकारी चौक पर महिलाओं को संबोधित किया। जिसके चलते आज महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी है।

किसानों के ट्यूबवेल से केबल चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव आकोदा की ढ़ाणी से अज्ञात चोर 21 किसानों के ट्यूबूवैल से केबल काटकर ले गए हैं। किसानों ने पुलिस थाने में शिकायत देकर केबल बरामद करने तथा चोर को पकड़ने की मांग की हैं। पुलिस ने किसान कि शिकायत पर केस दर्ज कर चोरों की तलाश में जुट गई हैं।

गांव आकोदा की ढाणी निवासी किसान रामनिवास ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता हैं। बीती आठ मई को वह अपने ट्यूबवैल से खेत में गया था। उस समय उसके ट्यूबवैल की केबल ठीक थी। फिर नौ मई को जब मोटर चलाने के लिए ट्यूबवैल पर गया तो 140 फीट केबल चोरी हुई मिली। गांव के काफी लोगों के ट्यूबवैल से केबल कटी हुई मिली। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोर किसान पूर्ण सिंह, मुकेश, राजकुमार, मीर सिंह, सुरेंद्र, शिव कुमार, अमीर सिंह, नत्थूराम, प्रकाश, लक्ष्मण, अशोक, बबलू, बबलू, ओमकार, रामकिशन, दलीप, भाल सिंह, रामौतार, नरेंद्र, लीलू, गिरवर मास्टर आकोदा के यहां भी चोरी हुई।

मकान के ताले तोड़कर मिर्जापुर से गहने व 50 हजार की नकदी चोरी

नारनौल। चोरों ने मिर्जापुर (बाछौद) में एक बंद मकान को निशाना बनाया है। चोरों ने मकान के ताले तोड़कर मकान में रखे कीमती गहने एवं 50 हजार रुपये की नकदी चुरा ली। मिर्जापुर निवासी त्रिभुवन शर्मा ने बताया कि उसने गांव में ब्यूटी पार्लर की दुकान कर रखी है। वह अपनी बीमार पत्नी का ऑपरेशन करवाने के लिए बीते दिवस मात्रिका अस्पताल रेवाड़ी गया था। पीछे भाई वेदप्रकाश ने फोन कर बताया कि मकान का ताला टूटा हुआ है।' घर आए तो देखा कि कमरों के ताले टूटे हुए थे। कमरे के अंदर रखी गोदरेज की अलमारी से एक सोने का टीका, दो सोने की नथ, एक चांदी का हार, सात चूड़ी, चांदी की पाजेब, चांदी के छह जोड़ी चुटकी, तीन अंगूठी सोना, तीन अंगूठी चांदी, चार जोड़ी टॉप्स सोना, एक जोड़ी झूमकी सोना, तीन चांदी का लॉकेट एवं सोने का हार तथा 50 हजार रुपये की नकदी कोई अज्ञात व्यक्ति रात के समय घर से चोरी कर ले गया।

पर्यवेक्षक ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ

भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक आर गजलक्ष्मी (आईएएस) ने शनिवार को राजकीय कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम व विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम संजीव कुमार भी मौजूद थे। स्ट्रांग रूम निरीक्षण के बाद उन्होंने माधोगढ़, बलाना, रिवासा व झगड़ौली मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला राजस्व अधिकारी सुशील शर्मा, तहसीलदार मदनलाल शर्मा, नायब तहसीलदार रघुबीर सिंह, नायब तहसीलदार प्रवीन कुमार, चुनाव लिपिक सतीश व आशुलिपिक ब्रह्मानंद इत्यादि भी उनके साथ मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। मतदान केंद्र का निरीक्षण करती सामान्य पर्यवेक्षक आर गजलक्ष्मी।

मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर मिलेगी सुविधा

भिवानी। मतदाताओं को लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान मतदान करते समय किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लिए इस बार भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान केंद्रों पर खास इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके अलावा बीएलओ के माध्यम से मतदाताओं को वोटर इनफॉरमेशन स्लिप के साथ मत करने के लिए न्योता निमंत्रण भी दिया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश नरवाल ने बताया कि निमंत्रण पत्र के साथ.साथ मतदाताओं को उनके बूथ के बारे में भी सही जानकारी दी जाएगी है। सभी बीएलओ घर.घर जाकर वोटर इनफॉरमेशन स्लिप देंगे। मतदाता वोटर हेल्पलाइन तथा टोल फ्री नंबर 1950 पर भी इसकी जानकारी ले सकते हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर मूलभूत सुविधाओं पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है।

- अधिक से अधिक मतदाताओं को भेजेंगे निमंत्रण।

एचपीएस स्कूल में सेमिनार आयोजित

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में शनिवार को प्राइमरी अध्यापकों के लिए एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें क्लास मैनेजमेंट, विद्यार्थियों को पढ़ाने के सरल तरीके एवं शिक्षा में आज के समय की नई तकनीक के इस्तेमाल के साथ विद्यार्थियों को दी जाने वाली शिक्षा के संबंध में विद्यालय की प्राइमरी क्लास की सभी अध्यापिकाओं को जानकारी दी गई। प्राचार्य सुनील यादव, प्रवक्ता संदीप सैनी, प्राइमरी हैड सोनल चौबे ने अध्यापिकाओं को सेमिनार में बताया कि समय के साथ शिक्षा और बच्चों को शिक्षा देने के अंदाज में भी परिवर्तन आ चुका है। आज डिजिटल शिक्षा के आधुनिक युग में शिक्षा के लिए भी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिससे बच्चे पढ़ाई में रूचि लेकर कम समय में अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित कर सकें। सबसे पहले स्वयं अध्यापकों को अपडेट रहना जरूरी है, ताकि विद्यार्थियों के लिए शिक्षा पदत्ति को और भी अधिक रूचिकर व सरल बनाकर बच्चों को पढ़ाया जाए, क्योंकि अब बच्चे सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं अपितु इंटरनेट, स्टडी एप आदि के साथ डिजिटल संसाधनों के जरिए दी जाएगी।

तैयारी सेक्टर सुपरवाइजरों को दिया पोल डैशबोर्ड मोबाइल एप का प्रशिक्षण

लोस चुनावः पोल डैशबोर्ड वेब पोर्टल पर आमजन भी ले सकेंगे पल-पल की अपडेट

पोल डे पर मॉक पोल सहित 9 तरह की गतिविधियों का डाटा होगा फीड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारत निर्वाचन आयोग व भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता के निर्देश अनुसार शनिवार को लघु सचिवालय में महेंद्रगढ़ के एसडीएम संजीव कुमार की मौजूदगी में जिले के सभी सेक्टर सुपरवाइजर को एनआईसी कार्यालय की ओर से पोल डैशबोर्ड मोबाइल एप का प्रशिक्षण दिया। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हरीश भार्गव व सिस्टम एनालिस्ट भूपेंद्र कुमार ने प्रशिक्षण देते हुए बताया कि लोकसभा आम चुनाव में इस पोल डैशबोर्ड मोबाइल एप के माध्यम से सेक्टर सुपरवाइजर मतदान केंद्र पर मतदान आरंभ होने से मतदान के समाप्त होने तक की सारी गतिविधियों को अपडेट करेंगे। उन्होंने बताया कि यह एप एआरओ, डीईओ और सीईओ को रियल टाइम इनफॉर्मेशन देने के लिए विकसित किया गया। डैशबोर्ड चुनाव प्रक्रिया में सभी अधिकारियों के लिए एक केंद्रीकृत उपकरण के रूप में सहायता करेगा। यह मतदान पूर्व प्रबंधन तथा मतदान के दिन मतदान की निगरानी व जानकारी के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन और वेब एप्लिकेशन है। उन्होंने बताया कि इसके तहत पोल डे से पहले दिन दो गतिविधियां पार्टी रवाना एवं पार्टी पहुंच तथा पोल डे को मॉक पोल सहित नौ तरह की गतिविधियां सेक्टर सुपरवाइजर की ओर से मोबाइल एप के माध्यम से अपडेट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन आम नागरिकों को पल-पल की जानकारी पोल डैशबोर्ड वेब पोर्टल के माध्यम से मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि सभी सुपरवाइजर यह सुनिश्चित करें कि इसमें डाटा फीड करते समय पूरी सावधानी बरती जाए। इसमें सही समय पर और सटीक जानकारी भरना जरूरी है, तभी इसका उद्देश्य सफल होगा। इसमें फीड डाटा की मॉनिटरिंग हरियाणा मुख्य चुनाव अधिकारी, भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त जनरल ऑब्जर्वर व अन्य उच्चाधिकारियों की ओर से की जाएगी। इस मौके पर निर्वाचन कानूनगो पूनम के अलावा समस्त सेक्टर सुपरवाइजर मौजूद रहे।

नारनौल। पोल डैशबोर्ड मोबाइल एप का प्रशिक्षण लेते सेक्टर सुपरवाइजर। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 मई 2024

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

{ आवरण कथा / कुमार राधारमण }

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जूलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाई, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी मांएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

{ जज्बात / मुनव्वर राना }

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अज्ञां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बददुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सजदे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तकः हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 499 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथाएं }

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्यौछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां हो तो ऐसी!

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।
इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

मां भावनाओं का समंदर

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।'

घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 मई 2024

मनमोहक-आकर्षक
पहाड़ों का कुदरती सौंदर्य

घूमने के लिए तो देश-दुनिया में बहुत कुछ है, लेकिन जिन्हें कुदरती नजारे लुभाते हैं, वे पहाड़ों और उसकी हरी-भरी वादियों में घूमना बहुत पसंद करते हैं। अपने देश के अलग-अलग स्थानों पर स्थित पहाड़ों की क्या विशेषताएं हैं, वे एक-दूसरे से कितने अलग हैं, इनका अनुभव लेखक बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

नेचर ट्रैवलिंग / समीर चौधरी

हल्की-हल्की ठंडी हवा देवदार के पेड़ों में झंकार पैदा करते हुए बह रही थी। दूधिया झरना पत्थरों के बीच में से होता हुआ उतर रहा था। कहीं दूर बर्फीला तीतर अपने साथी को पुकार रहा था। पहाड़ी के ऊपर बने पुरातन मंदिर में सूरज की किरणें पड़ रही थीं, जो बर्फीली मोती जैसी चोटियों को भी चमका रही थीं। सब कुछ परियों के देश जैसा लग रहा था। मैं पहाड़ों की यात्रा पर था। यह पिछले जाड़ों की बात है।

पहाड़ों का अस्तित्व है जरूरी

पहाड़ आपको लुभाते हों या नहीं लेकिन यह सभी को पता होना चाहिए कि पहाड़ों में जीवन देने की कितनी क्षमता होती है। साथ ही पहाड़ों की शानदार जैव विविधता की महत्ता को समझकर उसके संरक्षण का हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमें जो ताजा, पीने योग्य पानी मिलता है, उसका 60 से 80 प्रतिशत पहाड़ों से हासिल होता है। पहाड़ असंख्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को अपनी गोद में आसरा देते हैं। पहाड़ संपूर्ण भूमंडल का 24 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं और 13 प्रतिशत ग्लोबल जनसंख्या को शरण देते हैं। इन महत्ताओं को जानने के अलावा पहाड़ी सौंदर्य मुझे हमेशा आकृष्ट करता रहा है। पहाड़ खामोश प्रहरी हैं, जो अनेक तरह से हमारी रक्षा करते हैं। पहाड़ों की यात्रा करने का अर्थ है प्रकृति से ऐसे जुड़ना कि अपने ही मन की गहराइयों में उतरने का अवसर मिल जाए।

हर पहाड़ का अलग आकर्षण

मैंने भारत के लगभग सभी हिस्सों यानी उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में स्थित पहाड़ों की यात्रा की है। हर पर्वत श्रृंखला का अपना एक अलग ही आकर्षण होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि पहाड़ों की ऊंचाई और भूखंड कैसा है, क्योंकि इन्हीं से वहां का क्लाइमेट, वेजिटेशन और लोगों की जीवनशैली तय होती है। पिछले साल नवंबर में जब मैं उत्तराखंड के पहाड़ों से रूबरू होने गया था तो मैंने विंटरलाइन की मंत्रमुग्ध करने वाली सुंदरता का आनंद लिया, जहां जाड़ों के महीनों में शाम के समय नारंगी-सुनहरा कृत्रिम क्षितिज बन जाता है। यह दुनिया में सिर्फ दो ही जगह दिखाई देता है- अपने देश के मसूरी में और स्विट्जरलैंड में। इसी तरह जब मैं इस साल जनवरी में हिमाचल प्रदेश में था, तो मैंने एल्पेन ग्लो इफेक्ट देखा, जब सूर्य की किरणों के बिखरने से बर्फ से ढंकी चोटियां जलती आग की तरह लाल हो जाती हैं। इन दोनों ही कंडीशंस को समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टि और सिद्धांत तो है ही, लेकिन मुझ जैसे आम घुमक्कड़ के लिए यह प्रकृति का चमत्कार है, शानदार जादू है, जिसे केवल पहाड़ों में ही देखा जा सकता है।

दिल को छू लेती है उनकी सुंदरता

अगर टिहरी में मुझे देवदार के पेड़ों की सोनी-सोनी गंध ने मंत्रमुग्ध किया तो नड्डी के घने जंगलों ने मुझे अचरज से भर दिया। दक्षिण भारत में पहाड़ आमतौर से चाय बागानों का घर होते हैं, जैसे कि ऊटी, कुनोर और मुन्नार में। लेकिन बीच-बीच में ऊंचे सिल्वर ओक और यूकेलिप्टस के पेड़ भी हैं, जिन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे वह नीले आसमान से कुछ राज की बातें सरगोशियों में कर रहे हों।

पहाड़ी पर्यटन का अनोखा आनंद

पहाड़ों की यात्रा करते समय मुझे आमतौर से सीधे, सच्चे, धार्मिक और मिलनसार स्थानीय लोग मिलते हैं, जो पर्यटकों का खुले दिल, खुली बाहों और मुस्कान के साथ स्वागत करते हैं। वे अपनी प्राकृतिक धरोहर पर गर्व करते हैं और पर्यटकों को अपनी भूमि, अपने देवताओं, अपने पशुओं और पहाड़ों के साथ अपने गहरे रिश्तों की दिल को स्पर्श करने वाली कहानियां सुनाते हुए कभी थकते नहीं हैं। मैं अकसर अकेला ही यात्रा करता हूं, इसलिए मैंने स्थानीय लोगों के साथ सुनसान जंगलों, खामोश पहाड़ों में घंटों बिताए हैं, लेकिन कभी भी मैंने परेशानी या असुरक्षा का एहसास तक नहीं किया। *

हम ही पहुंचा रहे नुकसान

पहाड़ केवल शानदार नजारों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स योग्य तस्वीरों के लिए नहीं होते हैं। पहाड़ों में जीवन जीना कठिन भी होता है। चलना और बुनियादी काम जैसे कुकिंग और खेती के लिए भी जबरदस्त शारीरिक श्रम और स्टैमिना की आवश्यकता होती है। उनका इकोसिस्टम बहुत नाजुक होता है, जिसे संभालने और संरक्षित करने की जरूरत होती है। पहाड़ों पर जब बारिश पड़ती है या बर्फ गिरती है तो एक जगह से दूसरी जगह जाना और चीजों की उपलब्धता चिंता का विषय बन जाते हैं। प्राकृतिक आपदाएं जैसे फ्लैश फ्लड्स, भू-स्खलन, हिम-स्खलन आदि जीवन को पूरी तरह से रोक देते हैं, जिससे सुरक्षा और जीविकोपार्जन के लिए संकट उत्पन्न हो जाते हैं। अक्सर ये आपदाएं मानव-निर्मित भी होती हैं। गैर-जिम्मेदाराना पर्यटन, स्वार्थी कमर्शियल लक्ष्य, बिना सोचे-समझे पेड़ों को काटना, अनियोजित शहरीकरण आदि कारण हैं, जिनसे पहाड़ों और पहाड़ी जीवन को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर जैसे हिमालय पहाड़ के राज्यों में हाल के वर्षों में जो प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिली हैं, वे हमसे सख्ती से कह रही हैं कि प्रकृति में असंतुलन उत्पन्न मत करो, वर्ना प्रकृति का गुस्सा बर्दाश्त नहीं कर पाओगे।

उपयोगी पेड़ / शिवचरण चौहान

कहते हैं, मई-जून में अमलतास के फूल जितना अधिक खिलते हैं, मानसून में उतनी ही अच्छी बरसात होती है। अमलतास का फूलना सदैव मंगलकारी माना गया है। इस वृक्ष के विभिन्न नाम, प्रकार और विशेषताओं के बारे में जानिए।

पीले फूलों वाला
अमलतास का वृक्ष

पीले सुंदर फूलों वाले वृक्ष अमलतास को देव वृक्ष भी कहा जाता है। संस्कृत के कवि कालिदास ने इसकी बहुत प्रशंसा की है और इसे स्वर्ण फूल वाला वृक्ष कहा है। सचमुच सुंदर पीले फूलों से शोभायमान अमलतास अपने अद्भुत सौंदर्य से सबका मन मोह लेता है। यह वृक्ष भारत और म्यांमार के जंगलों में खूब पाया जाता है। यह पेड़ ज्यादातर समूह में नहीं उगता, लेकिन उन जंगलों में यह समूहों में उगता है, जिन जंगलों में बंदरों की अधिकता होती है। जब बंदर इसकी फलियों को तोड़ते हैं तो इसके बीज बिखर जाते हैं। इस तरह इन्हें दूसरी जगह पर उगने और फैलने का अवसर मिल जाता है, यह इसलिए, उपयोगी होता है, क्योंकि इसके बीज कठिनाई से उगते हैं। इसके ज्यादातर बीजों को कीड़े फलियों के अंदर ही खा जाते हैं।

पेड़ की विशेषताएं: छोटे पौधों की छाल हरी, धुएं के रंग जैसी और चिकनी होती है। जो पेड़ पर ही लगे रहने के कारण काली और खुरदरी होती चली जाती है। अमलतास के फूल गर्म मौसम में अप्रैल, मई, जून के महीने में खिलते हैं। इन फूलों से लदे पेड़ों की सुंदरता देखने लायक होती है। लंबे पतीले से डंठलों पर लटकने वाले पीले फूल और गोल कलियां कानों में लटकने वाले झुमकों के समान दिखाई देते हैं। इसके पत्ते आकार में बड़े और जुड़े हुए होते हैं। पत्ते तीन से आठ जोड़ों में उगते हैं।

अमलतास के फूलों की छटा और नए पत्तों के रंगों को देखते हुए इसको कई भेद किए गए हैं। इसकी फलियां प्रारंभ में हरी और कोमल होती हैं। यह फलियां केंद्र से दो फीट लंबी लटकती हैं। हर फली में पच्चीस से सौ तक भूरे रंग के चमकीले बीज अलग-अलग खानों में पड़े रहते हैं। फली के अंदर काला मीठा गूदा रहता है, जो इन बीजों के साथ लगा रहता है। इस काले से गूदे को अमलतास का गुड़ कहते हैं। बंदर, गीदड़ और भालू आदि कई प्राणी इस प्राकृतिक गुड़ को चाव से खाते हैं। खासकर इसकी फली के कारण यह पेड़ बंदरों को विशेष रूप से प्रिय है। यही कारण है कि इस अमलतास के पेड़ का एक नाम 'बंदर लाठी' भी है।

नाम हैं कई : अमलतास का पेड़ भारत में लगभग सभी प्रांतों में पाया जाता है। पहाड़ों में भी 2000 फीट की ऊंचाई तक यह पाया जाता है। हर प्रदेश में इसका नाम अलग-अलग है। हिंदी में इसे किराल, किलवली, सिनार, तेलुगु में रेला, संस्कृत में सुवर्णक, बंगाली में बंदर लाठी, सोनाली, मराठी में जंबा, बेहावा, गुजराती में गरमा दो और अंग्रेजी में इंडियन लैबर्नम कहते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम कासिया फीस्टूला है। अन्य भारतीय भाषाओं में इसके नाम किरमाल, गिरमाल आदि हैं। ये शब्द संस्कृत के कृतमाल शब्द से निकले हैं। माला के समान लटकते फूलों के कारण संस्कृत में इसे कृतमाल का नाम दिया गया है। मालवा क्षेत्र में इसे गिरमाली नाम से जाना जाता है। डच भाषा में इसे गोल्डन शावर नाम दिया गया है। चिकित्सा ग्रंथों में इसे स्वर्णद्रुम, स्वर्णांग और स्वर्ण भूषण जैसे नाम दिए गए हैं। बाल्मीकि ऋषि ने इसे कांचन वृक्ष अर्थात सोने के पेड़ जैसा सुंदर नाम दिया है। फूलों के उल्लास भरे सौंदर्य के कारण इसे राजवृक्ष अर्थात वृक्षों का राजा नाम भी दिया गया है।

अमलतास के वंश का एक और पौधा : अमलतास के वंश का एक और पौधा पाया जाता है, जिसे सनाय, अंग्रेजी में इंडियन सेन्ना, संस्कृत में भूपक्ष कहते हैं। यह झाड़ीनुमा होता है। दक्षिण भारत, अरब और सोमालीलैंड में इसकी प्रजातियां पाई जाती हैं। अमलतास के पत्ते ग्रीष्म ऋतु में गिर जाते हैं और फिर नए पत्ते आते हैं। अप्रैल, मई और जून में अमलतास बागों में या शहरों और महानगरों में सड़क किनारे अपने पीले फूलों से छटा बिखेरता दिखाई देता है।

अमलतास के उपयोगी गुण : अमलतास में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं। अमलतास का लंबा-सा फल बहुपयोगी होता है। फल का गूदा रेचक औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। अमलतास के पेड़ की छाल को सुमारी कहते हैं। इसमें टेनिन प्रचुर मात्रा में होता है। अमलतास की लकड़ी बहुत मजबूत होती है, जो मकान, पुल और खेती में उपयोगी अनेक प्रकार के औजार बनाने के काम आती है। *

आत्मचिंतन / राजयोगी बीके निकुंज जी

संपूर्ण विश्व है एक परिवार

आत्मवत सर्व भूतानि यः पश्यति सः पंडितः इस पौराणिक सूत्र में मानव कल्याण की समग्र भावना सन्निहित है। यह सारा विश्व एक सूत्र में बंध सकता है, यदि हम सभी संसार को एक कुटुंब के रूप में देखें और प्रत्येक मनुष्य से वैसे ही प्रेम करें, जैसे हम अपने परिवार के सदस्यों से करते हैं।

सभी मनुष्यों में रक्त संबंध: प्राकृतिक रचना की दृष्टि से भी देखा जाए तो सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं, क्योंकि परिवार उसे माना जाता है जहां रक्त का संबंध स्थापित हो सके और संसार के किसी भी कोने के मानव का रक्त, संसार के किसी भी दूसरे कोने के अन्य मानव को चढ़ाया जा सकता है। और जहां तक रक्त के ग्रुप की बात है वह तो पिता और पुत्र का भी अलग-अलग हो सकता है अन्यथा जाति, कुल आदि के आधार पर रक्त की भिन्नता नहीं है। हम जानते हैं, एक ही केंद्र या स्रोत से निकलने वाले जल की कालांतर में अनेक धाराएं बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही इस विश्व परिवार के साथ भी हुआ है। बीज और तने की सही जानकारी न होने के कारण कालांतर में निकली शाखाएं अपने को ही मूल पेड़ मान बैठी हैं और इस प्रकार शाखाएं, उप-शाखाएं, टहनियां आपस में टकराने लगी हैं। अब, पेड़ तो जड़ होता है और उसका बीज बोल नहीं सकता, नहीं तो वो बताता कि कौन-सी शाखा पहले आई, कौन-सी बाद में अर्थात पेड़ के क्रमवार विकास की जानकारी वह देता। परंतु, सृष्टि रूपी वृक्ष का बीज परमात्मा तो चेतन है। जब वह देखता है कि वैश्विक भावना को भूलकर उसके बच्चे छोटे-छोटे समूहों में बंट गए हैं और एक-दूसरे से कट गए हैं, उनका प्रेम संकुचित और स्वार्थपरक हो गया है, तब ऐसे माहौल को मिटाने के लिए वह स्वयं इस सृष्टि पर अवतरित होकर हम मनुष्यों को विश्व-परिवार की भावना से, एक परिवार में जोड़ने का महान कार्य करते हैं।

हम ना भूलें विश्व परिवार की भावना: आज जबकि भ्रष्टाचार सहित अनेकानेक समस्याओं से देश और विश्व जूझ रहा है, सभी में यदि विश्व परिवार की यह उच्चतम श्रेष्ठ भावना घर कर जाए तो इन सभी समस्याओं को छूमंतर होने में देरी नहीं लगेगी। स्मरण रहे, मेरे-तेरे की क्षुद्र भावनाएं ही समस्याओं को जन्म देती हैं, आपस में दूरियां बढ़ाती हैं। इसीलिए आज आवश्यक है कि हम संपूर्ण विश्व को अपने परिवार का हिस्सा मानें। किसी के प्रति कोई दुर्भावना ना पालें। इस सोच से ही विश्व का कल्याण संभव है। *

फीलिंग्स

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' की कहानी के केंद्र में परिवार है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (15 मई) के अवसर पर परिवार के महत्व के बारे में **हरिभूमि** को बता रहे हैं, शो के कलाकार।

हमारा प्यारा सपोर्ट सिस्टम
हमारा परिवार

सीरियल 'वागले की दुनिया' के प्रमुख कलाकार

एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार की तीन पीढ़ियों की दैनिक चुनौतियों, खुशियों और आपसी बंधन की कहानी को 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' सीरियल में दिखाया जा रहा है। परिवार की महत्ता के बारे में अपनी फीलिंग्स यहां शेयर कर रहे हैं शो के एक्टर्स।

सीरियल 'वागले की दुनिया' में श्रीनिवास वागले की भूमिका निभाने वाले **अंजन श्रीवास्तव** कहते हैं, 'हमारा शो फैमिली की इंपॉर्टेंस को ही बताता है। मेरा मानना है कि फैमिली भी देश की तरह होती है। हैप्पी फैमिली के लिए हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। संभव है, इसमें रुकावटें आएंगी, ऑब्जेक्शंस होंगे, लेकिन इस वजह से हम फैमिली से अलग नहीं हो सकते। अपनी बात करूं, तो 54 सालों के मेरे प्रोफेशनल करियर में मेरी फैमिली, खासतौर से मेरी वाइफ का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मेरा मानना है कि किसी भी फील्ड में ग्रो करने के लिए फैमिली सपोर्ट का बहुत बड़ा रोल होता है।'

सीरियल में राधिका वागले की भूमिका निभा रहीं **भारती आचरेकर** फैमिली की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहती हैं, 'फैमिली को मैं बहुत इंपॉर्टेंट मानती हूं। हालांकि मैंने बहुत साल अकेले गुजारे हैं। दरअसल, जब मैं 34 साल की थी तभी अपने पति को खो दिया। अब मैं और मेरा बेटा, यही मेरी फैमिली है। लेकिन मेरा मानना है कि फैमिली होना, उसका सपोर्ट होना बहुत जरूरी है। बेटे के अलावा मेरी चार बहनें हैं और हम सभी एक-दूसरे के बहुत क्लोज हैं। मेरी बहनें आस-पास ही रहती हैं, कभी भी जरूरत पड़ने पर वे भागकर आती हैं। इससे मेरे मन में यह बात जरूर रहती है कि मेरी फैमिली है और जरूरत के वक्त मेरे फैमिली मेंबर्स मेरे साथ खड़े होंगे। इससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

शो में राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले **सुमित राघवन** कहते हैं, 'चाहे आनंद के क्षणों को साझा करना हो या एक साथ चुनौतियों से गुजरना हो, परिजनों का एक नेटवर्क होना वास्तव में आशीर्वाद की तरह है। आज की दौड़ती-भागती दुनिया में, खासकर बड़े शहरों में लोग तेजी से अलग-थलग हो रहे हैं। ऐसे में परिवार की महत्ता और भी बढ़ जाती है। मेरा मानना है कि हमारे सीरियल 'वागले की दुनिया' ने दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, इससे उन्हें संयुक्त परिवार की अवधारणा को अपनाने और अपने प्रियजनों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरणा मिली है।'

सीरियल में वंदना वागले की भूमिका निभाने वालीं **परिवा प्रणति** कहती हैं, 'वंदना वागले के रूप में मुझे ऐसे शो का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है, जो पारिवारिक जीवन के सार को खूबसूरती से दर्शाता है। इस सीरियल में हम उन बंधनों का जश्न मनाते हैं, जो हमें एक-साथ बांधते हैं। हम तीन साल से अधिक समय से साथ में काम कर रहे हैं और ऑफ-स्क्रीन भी एक परिवार की तरह हो गए हैं। वास्तविक जीवन में भी अपने परिवार में प्रियजनों के साथ रहने से जो खुशी और संबल मिलता है, वो अमूल्य होता है। हमें हर हाल में परिवार के साथ जुड़े रहना चाहिए।'

सीरियल में सखी वागले की भूमिका निभाने वाली **चिन्मयी साल्वी** कहती हैं, 'अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, पारिवारिक बंधनों की सुंदरता का जश्न मनाने का क्षण होता है। हमें अपने परिवार के साथ जो भी खूबसूरत पल बिताने का अवसर मिले, उसे गंवाना नहीं चाहिए। हमारा शो भी परिवारों के भीतर एकजुटता, सहानुभूति और समझ के महत्व को बताता है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

बड़ा पर्दा
अशोक जोशी

हालांकि लगभग हर फिल्म में मां किसी न किसी रूप में दिखाई जाती है। लेकिन कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो मातृ शक्ति को पर्दे पर शिद्दत के साथ पेश करती हैं। कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिन्होंने मां के कद को और ऊंचे स्थान पर प्रतिष्ठित किया है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखे
मां की ममता के रंग

'मदर इंडिया' : नरगिस ने निभाई यादगार भूमिका

'दीवार' : ममतामयी-सख्त किरदार में निरूपा राय

'करन-अर्जुन' : राखी ने निभाई दमदार भूमिका

बात जब मां के चरित्र पर केंद्रित फिल्मों की आती है तो सबसे पहले 'मदर इंडिया' का नाम जेहन में आता है। 1957 में आई नरगिस, राजेंद्र कुमार और सुनील दत्त अभिनीत इस फिल्म को महबूब खान ने निर्देशित किया था। 'मदर इंडिया' देश की आजादी के बाद की कहानी है, जिसमें एक गरीबी से त्रस्त महिला राधा, पति की गैर-मौजूदगी में अपने बच्चों की परवरिश के लिए संघर्ष करती दिखती है। यह ऐसी मां है, जो न तो अपने चरित्र पर दाग लगने देती है बल्कि अपने गांव की एक बेटी को दाग लगने से बचाने के लिए अपने बेटे की जान लेने तक से नहीं हिचकती।

ममतामयी ही नहीं कठोर भी: 'मदर इंडिया' में चित्रित मां का चरित्र बाद में कई सफल फिल्मों का आधार बना। सलीम जावेद ने अपनी फिल्म 'दीवार' और 'त्रिशूल' में ऐसी ही मां को चित्रित किया, जिसे निरूपा राय और वहीदा रहमान ने सशक्त तरीके से पर्दे पर उतारा। संजय दत्त की फिल्म 'वास्तव' की मां रीमा लागू भी ऐसी ही ममतामयी लेकिन सख्त मां है, जो अपने अपराधी बेटे को अपराध के दलदल से निकालने के लिए पिस्तौल का सहारा लेती है। सुचित्रा सेन, अशोक कुमार और धर्मेंद्र अभिनीत 1966 की हिंदी फिल्म 'ममता' उस युवती की कहानी है, जो अपनी उस मां के तलाश में है, जिसने बेटी के बेहतर जीवन के लिए अपने सपनों और अभिलाषाओं का त्याग कर दिया था। फिल्म का निर्देशन असित सेन ने किया था।

मां से जुड़ाव को उकेरती फिल्में : यूं तो 'आराधना' को एक रोमांटिक फिल्म माना जाता है, लेकिन इस फिल्म का आधार एक ऐसी मां की कहानी है, जो अपने बेटे का जीवन संवारने के लिए जेल तक चली जाती है। उसे अंत तक पता नहीं लगने देती कि वह उसकी मां है। बलिदानी मां की इस भूमिका को शर्मिला टैगोर ने बड़ी खूबसूरती से निभाया था। सलमान खान और शाहरुख खान अभिनीत 'करण अर्जुन' मां-बेटों के बीच प्यार की बड़ी खूबसूरत कहानी है। संपत्ति की लालच में मार दिए गए अपने दोनों बेटों के फिर से लौटने के इंतजार में बैठी मां (राखी) को आखिरकार उसके बेटे वापस मिल जाते हैं। फिल्म में मां की ममता के विश्वास की दृढ़ता और उसकी वजह से असंभव को भी संभव बनने का संदेश दिया गया है। फिल्म को राकेश रोशन ने निर्देशित किया है। 'राम लखन' में भी राखी ने ऐसी ही मां की भूमिका निभाई थी।

अचला सचदेव

रीमा लागू

ललिता पंवार

दुर्गा खोटे

कुछ भी कर गुजरने को तैयार मां : 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'जख्म' दंगों में जला दी गई एक मुस्लिम मां की कहानी है। पूरी फिल्म एक मुस्लिम मां के उस हिंदू बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मां की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए मरने के बाद उसे सम्मान के साथ दफन करने का फैसला करता है। फिल्म की कहानी बताती है कि कैसे एक मां अपने बच्चे और अपने प्यार के लिए आदर्श बनने के लिए अपनी आस्था छोड़ देती है। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके खुद के जीवन के काफी करीब है।

भावनात्मक लगाव दर्शाती फिल्में : महाश्वेता देवी के लिखे बांग्ला उपन्यास पर आधारित गोविंद निहलानी के निर्देशन में बनी 'हजार चौरासी की मां' उस मां की कहानी है, जो नक्सली विचारों से प्रेरित अपने बेटे को एक पुलिस मुठभेड़ में खो देती है और उसके शव के नंबर 1084 की वजह से हजार चौरासी की मां कही जाती है। फिल्म में जया बच्चन और अनुपम खेर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। 'निल बटे सन्नाटा' एक ऐसी वंचित लेकिन सशक्त मां की कहानी है, जो अपनी बेटी के लिए बड़े-बड़े सपने देखती है।

मां के रोल में खूब किया गया इनको पसंद: फिल्मों में सहृदय ममतामयी मां की भूमिका को निरूपा राय ने इतनी शिद्दत के साथ पर्दे पर उतारा है कि आम जीवन में भी सभी सीधी-सादी मां को निरूपा राय कह कर ही पुकारा जाता है। अचला सचदेव, लीला चिटणीस और सुलोचना जैसी कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हुई हैं, जिन्हें दर्शकों ने हमेशा मां की भूमिका में ही देखा। जब गौरवशाली और ममतामयी मां की भूमिका का उल्लेख होता है तो 'मुगले आजम' में जोधा बाई की भूमिका निभाने वाली दुर्गा खोटे का नाम भुलाए नहीं भूलता। आधुनिक फिल्मी माताओं में रीमा लागू ने एक सेलिब्रिटी मां के चरित्र को पर्दे पर उतारा है। क्रूर और सौतेली मां की भूमिका में ललिता पंवार, शशिकला और अरुणा इरानी ने नाम कमाया। कुछ अभिनेत्रियां, कुछ खास नायकों की मां के लिए रोल मॉडल बना दी गईं। कामिनी कौशल को मनोज कुमार की मां के रूप में पसंद किया गया तो रीमा लागू सलमान खान की मां के रोल में खूब पसंद की गईं। *